लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

24 नवम्बर 2026 मंगलवार
वर्ष : 20 अंक: 140
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

The Power Of Truth

हिन्दी दैनिक



www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep www.lokhastakshep.com



स्व-गणना के बाद
'P' से शुरू होने वाली 11 अंकों की
SE ID (P1234567XXXX)
संभालकर रखें, प्रगणक को बताएं

स्व-गणना पूरी करते ही आपको मिलेगी SE ID
हमारी जनगणना, हमारा विकास
केवल गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के लिए
se.census.gov.in | 1800 180 1855 | 1855 | censusindia2027
गृह मंत्रालय भारत सरकार
जनगणना से जुड़ी जानकारी के लिए स्कैन करें
CBC 19108/13/0183/2627

पीएम मोदी-बालेन शाह की बैठक में 8 बड़े समझौते

नेपाल को 15 हजार करोड़ का पैकेज, देश में बनेगा आईआईटी

एजेंसी,नयी दिल्ली। भारत और नेपाल ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सोमवार को नयी दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बीच अहम बैठक हुई। इस दौरान दोनों देशों ने अंतरिक्ष, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और शहरी विकास सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। बैठक के बाद कुल आठ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा भारत ने नेपाल के लिए 24 हजार करोड़ नेपाली रुपये यानी करीब 14,993 करोड़ भारतीय रुपये के विकास पैकेज की घोषणा की। नेपाल में आईआईटी स्थापित करने और अयोध्या से जनकपुर तक रेल संपर्क बढ़ाने



की पहल भी चर्चा के केंद्र में रही। भारत और नेपाल के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य तकनीक, प्रशिक्षण और विकास परियोजनाओं में साझेदारी मजबूत करना है। प्रमुख समझौते इस प्रकार हैं। इसरो और नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय के बीच दक्षिण एशिया सैटेलाइट के इस्तेमाल के लिए संचार नेटवर्क विकसित करने पर सहमति बनी। गांधीनगर की नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी और नेपाल पुलिस के क्राइम इन्वेस्टिगेशन विभाग के बीच जांच और शोध में सहयोग होगा। भारत की राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी और नेपाल की नेशनल पुलिस एकेडमी पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण देने और आधुनिक तकनीक साझा करने पर काम करेंगी। नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस और नेपाल के एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज के बीच सरकारी अधिकारियों की क्षमता बढ़ाने के लिए समझौता हुआ। दोनों देश चिकित्सा सुविधाओं, स्वास्थ्य तकनीक और स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग बढ़ाएंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों, शोध और उपचार संबंधी जानकारी साझा की जाएगी। टिकाऊ शहरों की योजना, बुनियादी सुविधाओं और पर्यावरण अनुकूल विकास में तकनीकी सहयोग होगा।

कश्मीर में कड़ाके की ठंड

एजेंसी,श्रीनगर। कश्मीर के कई इलाकों में रविवार रात सर्दी के इस मौसम की अब तक की सबसे सर्द रात रही और इस दौरान न्यूनतम तापमान गिरकर शून्य से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जम्मू–कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में रविवार रात को न्यूनतम तापमान गिरकर शून्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंच गया। शोपियां जम्मू–कश्मीर का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पढ़ लिखकर 'प्रिंस' बनो, क्रिकेट में एडमिशन करवा देंगे : योगी

मुख्यमंत्री ने गोंडा से आए कक्षा–8 के बच्चे को दिया मार्गदर्शन



लखनऊ,संवाददाता। कर्तव्य पथ पर अग्रसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को 'जनता दर्शन' में अलग भूमिका में दिखे। उनके पास कक्षा–8 का छात्र प्रिंस क्रिकेट खेलने के लिए आर्थिक सहायता और कोचिंग उपलब्ध कराने की फरियाद लेकर पहुंचा। मुख्यमंत्री ने उसकी पूरी बात सुनी, फिर 4–5 मिनट तक पास खड़े होकर काउंसलिंग की। मुख्यमंत्री ने कहा– बेटा तुम्हारा नाम प्रिंस है, इसलिए पढ़ लिखकर 'प्रिंस' बनो। हम क्रिकेट में भी तुम्हारा एडमिशन करवा देंगे। मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में कुर्सियों पर बैठाए गए हर व्यक्ति तक पहुंचे, एक–एक कर उनके प्रार्थना पत्र लिए, फिर समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने पास में खड़े अधिकारियों को दिशानिर्देश दिए और प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया।

वसुंधरा राजे ने मजबूती से किया शासन, भजनलाल सरकार में कानून-व्यवस्था ध्वस्त : अशोक गहलोत

एजेंसी,जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल की



तारीफ की और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की आलोचना की। अशोक गहलोत ने कहा, वसुंधरा राजे के साथ मेरे काफी मतभेद रहे हैं। उनके पहले पांच साल के कार्यकाल के दौरान तो हमने एक–दूसरे से बात तक नहीं की थी। हालांकि, उनके काम करने के तरीके और मौजूदा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काम करने के तरीके में जमीन–आसमान का अंतर है। उन्होंने वसुंधरा राजे के प्रशासनिक अनुभव का जिक्र करते हुए बताया कि राजस्थान की मुख्यमंत्री बनने से पहले वह केंद्रीय मंत्री भी रह चुकी थीं और उन्हें प्रशासन का काफी अनुभव था। इस अनुभव का फायदा राजस्थान की जनता को मिला। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा, वसुंधरा राजे ने उनकी सरकार के खिलाफ अभियान चलाया और चुनाव जीतकर सरकार भी चलाई। उन्होंने ब्यूरोक्रेसी को इतना ज्यादा कंट्रोल में रखा कि कई लोग बैठक में बीमार तक पड़ जाते थे। उन्होंने अपने तरीके से शासन किया। अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यकाल की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है।

हनुमानगढ़ी में माथा टेक रामलला के दरबार पहुंचे मुख्यमंत्री

अयोध्या,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर रामनगरी पहुंचे। रामकथा पार्क स्थित हेलीपैड पर आगमन के बाद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे। उन्होंने संकटमोचन हनुमान के दर्शन–पूजन किए और आरती उतारकर प्रदेश की सुख–समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री योगी अयोध्या और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच शुरू होने वाली सरयू–कमला एक्सप्रेस के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रामनगरी पहुंचे थे। प्रभु श्रीरामलला के दर्शन किए। मंदिर में साष्टांग दंडवत होकर प्रभु के चरणों में शीश नवाया और देश–प्रदेशवासियों के कल्याण, सुख–समृद्धि की प्रार्थना की।

नार्को टेस्ट की तैयारी, पूर्व विधायक सुरेश राठौर पॉलीग्राफ जांच के लिए गांधीनगर रवाना

एजेंसी,हरिद्वार। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित स्पीआईपीएस की भूमिका के जांच के संबंध में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निर्देश पर पूर्व विधायक सुरेश राठौर सोमवार को गुजरात के लिए रवाना हो गए। सीबीआई ने पॉलीग्राफ और नार्को–एनालिसिस जांच के लिए ज्वालापुर से विधायक रहे राठौर को 24 नवंबर को गांधीनगर तलब किया है। राठौर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से फिलहाल निष्कासित हैं। राठौर ने सीबीआई जांच में पूरी मदद करने की बात कहते हुए कहा कि अंकिता को न्याय दिलाने और मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए वह जांच एजेंसी के साथ हर स्तर पर सहयोग करेंगे। उन्होंने अंकिता



भंडारी को बिटिया के समान बताते हुए कहा कि ईश्वर इस मामले में सच बोलने में उनकी मदद करेगा। मामले की जांच कर रही सीबीआई द्वारा राठौर और खुद को उनकी कथित पत्नी बताने वाली टेलीविजन अभिनेत्री उर्मिला सनावर का पॉलीग्राफ और नार्को–एनालिसिस जांच कराया जाना है। इसके लिए राठौर और सनावर पहले ही अपनी सहमति दे चुके हैं जिसके बाद देहरादून स्थित सीबीआई अदालत ने ये जांच गांधीनगर में कराए जाने का निर्णय दिया था।

राठौर ने बताया कि सीबीआई का नोटिस प्राप्त होने के बाद वह गांधीनगर के लिए रवाना हुए हैं। उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी प्रकरण में सीबीआई जांच में वह पूरा सहयोग देंगे।

भोपाल के ऐशबाग में चला बुलडोजर, 600 जनता क्वार्टरों को किया जा रहा जमींदोज

एजेंसी,भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के ऐशबाग इलाके में सोमवार सुबह से बड़े स्तर पर बुलडोजर कार्रवाई शुरू हो गई है। यहां स्थित करीब 600 जनता क्वार्टरों को तोड़ने का काम किया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार सुबह से ही भोपाल के ऐशबाग इलाके में प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गईं। क्वार्टरों को तोड़ने के लिए जेसीबी मशीन मौके पर पहुंची और अधिकारियों की निगरानी में कार्रवाई शुरू कर दी गई। देखते ही देखते मशीनों की मदद से क्वार्टरों को गिराने का सिलसिला शुरू हो गया। प्रशासन की टीमें लगातार मौके पर मौजूद हैं और पूरी कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं। ऐशबाग में स्थित करीब 600 जनता क्वार्टरों को हटाने की योजना के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए बड़ी संख्या में जेसीबी मशीनों को लगाया गया है। प्रशासनिक अमला पूरी तैयारी के साथ मौके पर पहुंचा है।



मेरा बूथ सबसे मजबूत घर-घर संपर्क के साथ 2027 के लिए कमर कस लें कार्यकर्ता : दिलीप पटेल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं अवध क्षेत्र प्रभारी दिलीप पटेल के आज पहली बार उन्नाव आगमन पर जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने जिला कार्यालय उन्नाव में आयोजित जिला बैठक एवं कोर कमेटी की बैठकों में प्रतिभाग कर वर्तमान में चल रहे 'मतदाता जोड़ो अभियान — 2026' की समीक्षा की।



जिला बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री व अवध क्षेत्र प्रभारी दिलीप पटेल ने घर–घर संपर्क पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि "2027 के लिए कमर कस लें" और 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' का मंत्र लेकर प्रत्येक बूथ को सशक्त बनाएं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धीकरण केवल चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का संवैधानिक दायित्व है। प्रत्येक पात्र वयस्क नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना उसका अधिकार है, वहीं प्रत्येक अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटवाना हमारी जिम्मेदारी है। "प्रत्येक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मतदाता सूची लेकर घर–घर संपर्क कर सभी पात्र मतदाताओं को जोड़ने का काम करें।" उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं, नवविवाहित महिलाओं तथा अन्य पात्र नागरिकों के नाम फॉर्म–6 के माध्यम से प्राथमिकता से जुड़वाए जाएं, फॉर्म–7 से अपात्र नाम कटवाए जाएं और फॉर्म–8 से त्रुटियों का संशोधन कराया जाए। विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोलते हुए दिलीप पटेल ने कहा कि "इंजी. डॉ. और बिजनेसमैन के बच्चे का अपहरण वाला प्रदेश नहीं बनने देंगे, 8 घंटे बिजली वाला प्रदेश नहीं बनने देंगे, दंगे और कर्फ्यू वाला प्रदेश नहीं बनने देंगे, गुंडों–माफियाओं वाला प्रदेश नहीं बनने देंगे। सपा की सरकार आई तो गुंडागर्दी बढ़ेगी।"

बैठक में जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धीकरण लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का दायित्व है और प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से अभियान को सफल बनाएं। वहीं क्षेत्रीय महामंत्री अवधेश कटियार ने कहा कि संगठनात्मक मजबूती और बूथ स्तर की सक्रियता से ही हर लक्ष्य को पूर्ण किया जा सकता है। जिला कार्यालय में आयोजित बैठकों में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, क्षेत्रीय महामंत्री अवधेश कटियार, क्षेत्रीय मंत्री महेंद्र लोधी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शकुन सिंह, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद अवस्थी, राजकिशोर रावत, विधायक श्रीकांत कटियार, पंकज गुप्ता, बृजेश कुमार रावत, बम्बा लाल दिवाकर, आशुतोष शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा भगवती प्रसाद रावत, जिला महामंत्री प्रवीण सिंह श्नूतनश, रजनीश वर्मा, मनीष जायसवाल, मतदाता जोड़ो अभियान के जिला संयोजक आशीष बाजपेई श्अटलश, जिला उपाध्यक्ष मनोज सिंह, आनंद अवस्थी, मुक्तेश पाल, सुशील तिवारी, अनिल कुशवाहा, नवीन सिंह, विमला कुरील, संदीप शुक्ला, सविता रावत, जितेंद्र प्रताप सिंह पटेल, मलखान सिंह, संदीप लोधी, अवनीश शुक्ला, साधना दीक्षित, मधु निगम, जसमीत अरोड़ा, सुभाष भारती, समीर शुक्ल, विवेक तिवारी, रमेश तिवारी, कुश सिंह, दीपांकर मिश्र, जैनेंद्र शुक्ला, मनीष पांडेय, राजेंद्र द्विवेदी, संदीप निगम, आदित्य जायसवाल, प्रदीप सिंह, प्रियंका शुक्ला, जय सिंह कुशवाहा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा अरोड़ा, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष मनोज निषाद, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कमल बाजपेई सुरुचि अग्निहोत्री, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रदीप राजपूत कोरी, मंडल प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

सुरेश सिंह के शानदार शतक की बदौलत अगस्त क्लब ने शास्त्री क्लब को 38 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित 17वीं डॉ. सुखदेव प्रसाद गुप्ता अंडर–16 जनपदीय क्रिकेट लीग के अंतर्गत आज एस.आर. एम.एस. ग्राउंड आशा खेड़ा नवाबगंज उन्नाव में अगस्त क्लब एवं शास्त्री क्लब के मध्य पहला सेमी फाइनल मुकाबला खेला गया। जिसमें अगस्त क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शास्त्री क्लब को 38 रनों से पराजित किया।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अगस्त क्लब ने निर्धारित 35 ओवरों में 186 रन बनाए। टीम की ओर से सुयश सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 100 रनों की शतकीय पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके एवं 8 छक्के लगाए। इसके अतिरिक्त मोहित रावत ने 23 रनों का योगदान दिए।शास्त्री क्लब की ओर से आदर्श,प्रदुमन,आर्यन तथा दिवेश कार्तिक ने एक–एक विकेट प्राप्त किया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी शास्त्री क्लब की टीम 31.2 ओवरों में 147 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। शास्त्री क्लब की ओर से अनुज राजपूत ने 50 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि तेजस मिश्रा ने 23 रन बनाए।अगस्त क्लब की ओर से मो अल्तमशने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट हासिल किए इसके अलावा अभिषेक यदुवंशी ने दो विकेट प्राप्त किए। इस प्रकार अगस्त क्लब ने यह मुकाबला 38 रनों से अपने नाम किया।मैच में शानदार शतकीय पारी खेलने वाले सुयश सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पी के मिश्रा ने दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी के वरिष्ठ को सुधीर सिंह उपस्थित रहे। कल प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल मैच यूथ क्लब तथा यू सी सी के मध्य एसआरएमएस क्रिकेट ग्राउंड आशा खेड़ा नवाबगंज उन्नाव में प्रातः 9ः00 बजे से खेला जाएगा। उक्त जानकारी जिला क्रिकेट एसोसिएशन की कोषाध्यक्ष तथा प्रतियोगिता मंत्री ओम मिश्रा ने दी।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा–2026 के सफल एवं सुचारु आयोजन को लेकर जिलाधिकारी श्री घनश्याम मीना ने ली बैठक



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्री घनश्याम मीना जी की अध्यक्षता में दिनांक 28 नवम्बर 2026 को पूर्वान्ह 11.30 बजे से अपरान्ह 1.30 बजे तक आयोजित होने वाली नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा–2026 के सफल, निष्पक्ष एवं सुचारु आयोजन को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा की तैयारियों, परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं, सुरक्षा, प्रवेश पेयजल परीक्षार्थियों के आवागमन तथा आवश्यक सुविधाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने उपस्थित केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित करते हुए कहा कि परीक्षा के आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए अन्यथा कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। परीक्षा शांतिपूर्ण नकल विहीन पारदर्शी शुचितापूर्ण संपन्न हो यह विशेष ध्यान रखा जाए। कहा सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। परीक्षा केंद्रों पर साफ–सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा बैठने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी से करने के निर्देश दिए। कहा कि पूरी परीक्षा सी सीटीवी कैमरे की निगरानी में कराई जाए । सभी कक्ष निरीक्षक समय से केंद्र में पहुंच जाए, समय से पेपर वितरित हो जाए समय से परीक्षा प्रारम्भ हो जाय यह विशेष ध्यान रखा जाए। परीक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही हुई तो कठोर कार्यवाही की जाएगी। नवोदय परीक्षा 2026 जनपद के 16 विकास खण्डों के 19 केंद्रों पर होगी जिसके लिए 7555 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे।

बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक श्री सुनील दत्त प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं परीक्षा आयोजन से जुड़े केंद्र व्यवस्थापक कर्मचारी उपस्थित रहे।

28 नवंबर से होगी श्रीमद्भागवत कथा देवकीनन्दन ठाकुर जी महाराज करेंगे कथा वाचन



उन्नाव। 28 नवंबर को विधायक पंकज गुप्ता के कैंप कार्यालय से निकलेगी भव्य कलश यात्रा, रामलीला मैदान में होगा सात दिवसीय का आयोजन शहर के रामलीला मैदान में 28 नवंबर से 04 दिसंबर 2026 तक परम पूज्य शांतिदूत धर्मरत्न श्री देवकीनन्दन ठाकुर जी महाराज के श्रीमुख से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। कथा के शुभारंभ अवसर पर 28 नवंबर को सुबह 10 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। सदर विधायक पंकज गुप्ता की ओर से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में प्रतिदिन दोपहर 2रू30 बजे से शाम 5रू30 बजे तक श्रद्धालु श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करेंगे।

कलश यात्रा आईबीपी चौराहा स्थित विधायक के कैंप कार्यालय से प्रारंभ होकर रामलीला मैदान पहुंचेगी। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों के शामिल होने की उम्मीद है। बता दे कि आयोजन के संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में जनपदवासियों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई। विधायक पंकज गुप्ता द्वारा अनाथ बेटियों के विवाह और बुजुर्गों के लिए श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा जैसे सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों के साथ इस धार्मिक आयोजन की परंपरा को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से कथा में पहुंचकर धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक ज्ञान की अमृतमयी धारा का लाभ लेने की अपील की है।

स्व-गणना जागरूकता अभियान का खंड शिक्षा अधिकारी ने किया उद्घाटन

बाराबंकी,संवाददाता। रामसनेहीघाट क्षेत्र के मेंदुवा स्थित विद्यालय में जनगणना से जनकल्याण स्व–गणना जागरूकता अभियान 2026 शुरू हुआ। प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी बनीकोड़र हिमांशु मिश्रा ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में छात्राओं नुजहत और पूर्णिमा ने स्व–गणना के महत्व पर बात रखी। उन्होंने कहा कि जनगणना से मिले आंकड़े सरकार को जनकल्याणकारी योजनाएं बनाने और उन्हें लागू करने में मदद करते हैं। उन्होंने लोगों से स्व–गणना में भाग लेने की अपील की। विद्यार्थियों ने जनगणना के विषय पर रंगोली बनाकर जागरूकता का संदेश दिया। हिमांशु मिश्रा ने रंगोली देखी और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यालय की पढ़ाई, शैक्षणिक गतिविधियों और परिसर के माहौल की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापिका सविता ने हिमांशु मिश्रा को प्रतीक चिह्न भेंट किया और आभार जताया।

सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को क्रांतिकारी विचार मंच की चेतावनी

टिकट मिलने पर भी वोट मांगने पहुंचने से पहले सोच लें

निर्दलीय चुनाव लड़ने या क्रांतिकारी विचार मंच के साथ आने का आह्वान स्वाभिमान की रक्षा का दिया भरोसा।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर।क्रांतिकारी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ सिंह पाताबोझ ने एक वीडियो में दी गई जानकारी और उसके तथ्यों को सुनने के बाद भारतीय जनता पार्टी सहित अन्य राजनीतिक दलों से सामान्य वर्ग के टिकट की दावेदारी कर रहे विधानसभा उम्मीदवारों को लेकर कड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि सामान्य वर्ग के नाम पर विभिन्न राजनीतिक दलों से विधानसभा टिकट की दावेदारी करने वाले उम्मीदवार यह समझ लें कि



टिकट तो शायद मिल जाएगा लेकिन चुनाव के दौरान सामान्य वर्ग के घरों में वोट मांगने जाने से पहले उन्हें अपनी स्थिति पर विचार करना चाहिए।

सौरभ सिंह ने अपने बयान में कहा कि सामान्य वर्ग के लोगों की भावनाओं और स्वाभिमान की अनदेखी करने वाले उम्मीदवारों को जनता के बीच जाकर जवाब देना पड़ सकता है। उन्होंने अपने बयान में एससी–एसटी कानून का भी उल्लेख करते हुए सामान्य वर्ग के लोगों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने सामान्य वर्ग के दावेदारों को सलाह दी कि यदि उन्हें चुनाव लड़ने की इतनी ही इच्छा है तो वे निर्दलीय चुनाव लड़ें अथवा क्रांतिकारी विचार मंच के साथ आएं। मंच उन्हें चुनाव लड़ाने और जिताने की जिम्मेदारी लेने को तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों में अभी भी स्वाभिमान शेष है तो उन्हें अपने राजनीतिक निर्णयों पर पुनर्विचार करना चाहिए। क्रांतिकारी विचार मंच उनके स्वाभिमान और सम्मान की रक्षा के लिए साथ खड़ा रहेगा।

अभिषेक बनर्जी को हाई कोर्ट से राहत, 6 आपराधिक मामलों में 26 फरवरी 2027 तक अंतरिम सुरक्षा

एजेंसी,कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति से जुड़ी एक अहम खबर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत मिली है। अदालत ने राज्य के अलग–अलग पुलिस थानों में दर्ज छह आपराधिक मामलों में उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई से मिली अंतरिम सुरक्षा की अवधि बढ़ा दी है। अब यह राहत 26 फरवरी 2027 तक



या अदालत के अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी। सोमवार, 23 नवंबर को जस्टिस सौमेंद्र भट्टाचार्य ने अभिषेक बनर्जी की ओर से दाखिल दो अलग–अलग याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। ये मामले इस साल मई के बाद उनके खिलाफ दर्ज किए गए थे। अदालत ने कहा कि संबंधित मामलों की जांच अभी पूरी नहीं हुई है और मौजूदा परिस्थितियों में ऐसा कोई बदलाव सामने नहीं आया है जिसके आधार पर अंतरिम राहत को आगे बढ़ाने से इनकार किया जाए। अभिषेक बनर्जी को मिली राहत छह आपराधिक मामलों से संबंधित है। इनमें से तीन मामलों में अंतरिम सुरक्षा 25 अगस्त को दी गई थी। ये प्राथमिकी भवानीपुर, विष्णुपुर और कालीतला पुलिस थानों में दर्ज हैं। इन मामलों में पुलिस को अभिषेक बनर्जी के खिलाफ फिलहाल दंडात्मक या जबरन कार्रवाई करने से रोका गया है। इन तीन मामलों में राहत की अवधि बढ़ाने की मांग पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने इसका विरोध किया। सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता बिल्वदल भट्टाचार्य ने अदालत को बताया कि हाई कोर्ट के 25 अगस्त के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल की गई है। यह याचिका अभी विचाराधीन है। वहीं, अभिषेक बनर्जी के वकील गोपाल शंकरनारायणन ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित एसएलपी में खामियां हैं।

कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियां पूरी

बाराबंकी,संवाददाता।

त्रिवेदीगंज ब्लॉक के दूदीपुर–गंगापुर बाजार में कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले तीन दिवसीय मेले की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मेले में रामलीला, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मंदिर में विशेष पूजा होगी। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राकेश कुमार वर्मा (अलगू चौधरी) ने बताया कि मेले में रामलीला का मंचन होगा। इसमें भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी झांकियां दिखाई जाएंगी। लोकगीत, भजन–कीर्तन, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। आयोजकों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुरक्षा, साफ–सफाई, पेयजल और रोशनी के इंतजाम किए हैं। तीनों दिन मंदिर में विशेष पूजा, भजन–कीर्तन और प्रसाद वितरण होगा। ग्रामीणों के मुताबिक, यह मेला कई साल से आयोजित हो रहा है। दूदीपुर में प्राचीन हनुमान मंदिर है जहां कार्तिक पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालु दर्शन और पूजा के लिए आते हैं।

उन्नाव में नाबालिग किशोरी से छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप, विरोध करने पर घर पर पथराव



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र के एक गांव में 13 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ मारपीट और छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने गांव के एक युवक पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। वहीं, मामले में समझौते का दबाव बनाने और बाद में 30 से 40 लोगों के साथ घर पर चढ़ाई कर ईंट–पत्थर चलाने तथा कुल्हाड़ी से दरवाजा क्षतिग्रस्त करने का भी आरोप लगाया गया है। बताते कि पीड़ित राजू वर्मा के अनुसार, 7 नवंबर को वह किडनी का इलाज कराने उन्नाव गया था। इसी दौरान उसकी करीब 13 वर्षीय बेटी गांव के बाहर स्थित परचून की दुकान पर अकेली बैठी थी। आरोप है कि दोपहर करीब 12रू30 बजे गांव का ही एक युवक नशे की हालत में दुकान पर पहुंचा और उधार मसाला मांगने लगा। पुराने बकाये रुपये मांगने पर उसने किशोरी के साथ गाली–गलौज और मारपीट की। पीड़ित ने छेड़छाड़ और खींचतान करने का भी आरोप लगाया है। घटना के बाद किशोरी ने फोन से पिता को जानकारी दी, जिस पर उन्होंने चौकी में शिकायत दी। आरोप है कि अगले दिन ग्राम प्रधान ने चौकी पहुंचकर दबाव बनाकर समझौता करा दिया। इसके बाद 9 नवंबर को शाम करीब चार बजे ग्राम प्रधान अपने साथियों के साथ पीड़ित के घर पहुंचा और गाली–गलौज करते हुए मारपीट तथा पथराव किया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावरों ने कुल्हाड़ी से दरवाजा काटने का प्रयास किया और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित ने बताया कि 12 नवंबर को पुलिस अधीक्षक उन्नाव को भी प्रार्थना पत्र दिया गया, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित परिवार ने सुरक्षा की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

विश्व मधुमेह दिवस पर लखनऊ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विशेषज्ञों ने शुरुआती पहचान और जीवनशैली में बदलाव पर दिया जोर

सज्जन सिंह

लखनऊ। विश्व मधुमेह दिवस 2026 के अवसर पर लखनऊ के एक होटल में मरीज जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। UPISBMRएवं Happy Heart Foundation के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मधुमेह की रोकथाम, समय पर पहचान, उपचार और संतुलित जीवनशैली के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का उद्देश्य मधुमेह के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इस बीमारी की गंभीरता के प्रति सचेत करना था। कार्यक्रम में डॉ. सुशील गुप्ता, प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं हेड, एंडोक्राइनोलॉजी एवं डायबिटीज, मैक्स हेल्थकेयर तथा एसजीपीजीआईएमएस के पूर्व विभागाध्यक्ष ने कहा कि 40 वर्ष से अधिक आयु के बड़ी संख्या में लोगों को यह जानकारी ही नहीं है कि वे मधुमेह से पीड़ित हैं। देश में लगभग 15 से 20 करोड़ लोग प्री–डायबिटीज की स्थिति में हैं, जबकि 20 से 40 करोड़ लोग मधुमेह से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि समय रहते बीमारी की पहचान हो जाए तो इसे शुरुआती अवस्था में ही नियंत्रित किया जा सकता है। वजन कम करने, नियमित व्यायाम और खानपान में सुधार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जहां तक संभव हो, जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से वजन कम करने का प्रयास करना चाहिए।डॉ. नकुल सिन्हा, चेयरमैन, कार्डियोलॉजी, मैक्स हेल्थकेयर ने कहा कि मधुमेह के मामले में बचाव ही सबसे प्रभावी उपाय है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो दोबारा भी हो सकती है। जागरूकता के अभाव में लोग समय पर जांच नहीं कराते। मधुमेह अकेले नहीं आता, बल्कि अपने साथ हृदय, किडनी और अन्य कई बीमारियों का खतरा भी लेकर आता है। इसलिए इसे साइलेंट किलर कहा जाता है।

डॉ. अजय शुक्ला ने बताया कि चिकित्सा विज्ञान में नई तकनीक और उपकरण विकसित हो रहे हैं, जिनकी मदद से व्यक्ति पूरे सप्ताह अपने रक्त में शुगर के घटते–बढ़ते स्तर की निगरानी कर सकता है। इससे बीमारी को बेहतर ढंग से समझने और नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

डॉ. चंदा मलिक ने खानपान के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि मधुमेह के मरीजों को क्या खाना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना चाहिए। उन्होंने छिलके वाली दालों के सेवन को बढ़ावा देने की सलाह दी। डॉ. ज्योति ने कहा कि हम अपने स्वास्थ्य के प्रति उतने गंभीर नहीं हैं, जितने अन्य विषयों को लेकर रहते हैं। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ के बावजूद स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का अभाव चिंताजनक है। स्वस्थ शरीर ही तनावमुक्त जीवन का आधार है।

कार्यक्रम में उपस्थित मरीजों और उनके परिजनों को मधुमेह के लक्षणों, जोखिम कारकों, नियमित जांच, संतुलित आहार और शारीरिक सक्रियता के महत्व की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने एक स्वर में कहा कि सही समय पर जांच, जागरूकता और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव अपनाकर मधुमेह से होने वाली जटिलताओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

स्कूल में विद्यार्थियों को वक्ता नेकराया योगाभ्यास

अमेठी,संवाददाता। जिले के भेंटुआ विकासखंड के मई स्थित पीडीएनजी इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए प्रेरणात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाराष्ट्र राज्य सरकार के हिंदी साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित दार्शनिक और प्रेरक वक्ता डॉ. स्माकांत तिवारी क्षितिज ने विद्यार्थियों को तनाव और चिंता से निपटने के तरीके बताए। डॉ. तिवारी ने तनाव, चिंता, अवसाद और नकारात्मक विचारों से बचने के उपाय बताए।

उन्होंने शरीर के सात चक्रों की अवधारणा समझाई और विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया। साथ ही मन शांत रखने और एकाग्रता बढ़ाने के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है और किसी भी परिस्थिति में निराश होकर गलत कदम नहीं उठाना चाहिए।

11 लाख दीयों से कल जगमगाएगी काशी, सीएम योगी प्रज्वलित करेंगे पहला दीपए 15 लाख पर्यटकों के आने की उम्मीद

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। धर्म और आस्था की नगरी काशी मंगलवार, 24 नवंबर को आयोजित होने वाली विश्व प्रसिद्ध श्देव दीपावलीश के लिए पूरी तरह सजकर तैयार है। इस भव्य महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहला दीप प्रज्वलित कर करेंगे। उत्सव के दौरान गंगा के अर्धचंद्राकार घाट 11 लाख दीयों की रोशनी से जगमगा उठेंगे।

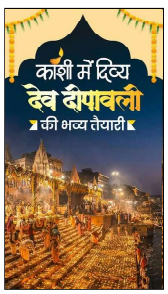

प्रशासन के अनुसार, इस अलौकिक दृश्य का साक्षी बनने के लिए 40 देशों के विदेशी मेहमानों सहित करीब 15 लाख देशी–विदेशी पर्यटकों के वाराणसी पहुंचने का अनुमान है। श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए श्री काशी विश्वनाथ धाम को 19 प्रकार के सुगंधित फूलों से भव्य रूप से सजाया जा रहा है। इसके साथ ही बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर बाबा श्विश्वनाथ धामश में भगवान विष्णु का विशेष सहस्रार्चन भी किया जाएगा।

पर्यटकों के आकर्षण के लिए इस बार गंगा पार रेती पर 600 फीट की ऊंचाई तक विशेष ग्रीन आतिशबाजी की जाएगी, जिसकी रंगीन रोशनी 1800 फीट के दायरे में फैलेगी। इसके अलावा आसमान में एक विशेष ड्रोन शो का भी आयोजन किया जाएगा।

भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। गंगा नदी में सुरक्षा के लिए 3 किलोमीटर लंबी वॉटर–बैरिकेडिंग की गई है और एक तैरता हुआ पुलिस थाना स्थापित किया गया है। नाविकों के लिए नमो घाट से अस्सी घाट तक अलग–अलग लेन (रूट) तय किए गए हैं ताकि जल यातायात सुगम रहे। वहीं, शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए मंगलवार को कई प्रमुख मार्गों पर रूट डायवर्जन लागू रहेगा।

चक्रवात 'अकवान' के असर से बदला काशी का मौसम, कोहरे और ठंड ने दी दस्तक

■न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री तक गिरावट के आसार

■देव दीपावली पर सुबह छाया रहेगा कोहर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'अकवान' के अवशेषों और उत्तर–पश्चिमी हवाओं के चलते वाराणसी समेत पूरे पूर्वांचल के मौसम ने करवट ले ली है। बीते दो दिनों तक आसमान में बादलों की आवाजाही और हल्की बूंदाबांदी के बाद अब शहर में ठंड और कोहरे का असर बढ़ना शुरू हो गया है। सोमवार को सुबह के समय ध्ंुध और कोहरे की चादर देखने को मिली, जबकि शाम ढलते ही हवा में सिहरन महसूस की गई। मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह के अनुसार, चक्रवात अकवान के कमजोर पड़ने के बाद बने निम्न दबाव के क्षेत्र का असर अब समाप्त हो रहा है। इसके चलते मौसम साफ होने के साथ ही उत्तरी–पश्चिमी ठंडी हवाएं सक्रिय हो गई हैं। सोमवार को शहर का न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।

मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है कि मंगलवार यानी देव दीपावली से न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट दर्ज की जा सकती है। आने वाले दिनों में रात का पारा लुढ़ककर 12 से 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही सुबह और रात के समय कोहरे का घनत्व बढ़ेगा।

अचानक बदले मौसम के मिजाज और बढ़ती ठंड को देखते हुए लोगों ने गर्म कपड़े निकाल लिए हैं। वहीं, देव दीपावली पर घाटों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और सुबह–शाम की ठंड को देखते हुए चिकित्सकों ने बुजुर्गों, बच्चों और सांस के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

वाराणसी में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई : मानकों की अनदेखी पर 94 अल्ट्रासाउंड सेंटरों के लाइसेंस रद्द, 14 आयुष्मान अस्पतालों पर भी शिकंजा

वाराणसी (कार्यालय संवाददाता)। जिले में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों, पैथोलॉजी और मानक विहीन जांच केंद्रों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. एन.पी. सिंह के निर्देश पर मानकों का उल्लंघन करने वाले 94 अल्ट्रासाउंड सेंटरों का पंजीकरण (लाइसेंस) निरस्त कर दिया गया है। इसके साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों से अवैध वसूली करने वाले 14 निजी अस्पतालों को पैनल से बाहर करने की संस्तुति शासन को भेजी गई है।

254 में से 94 केंद्रों पर गिरी गाज

सीएमओ डॉ. एन.पी. सिंह ने बताया कि जिले में कुल 254 अल्ट्रासाउंड सेंटर पंजीकृत हैं। जांच के दौरान अनियमितता और मानकों की कमी पाए जाने पर इनमें से 94 केंद्रों का पंजीकरण रद्द कर दिया गया है, जिनकी आगे भी विस्तृत जांच की जा रही है। इसके अलावा पीसीपीएनडीटी (प्च्ब्क्ट्) एक्ट के तहत भी 10 सेंटरों के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि पूरे जिले में विशेष टीमें गठित कर छापेमारी की जा रही है और पारदर्शिता के लिए पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई जा रही है। मौके पर वैध दस्तावेज न दिखाने वाले केंद्रों को तत्काल सील किया जा रहा है।

सरकारी डॉक्टरों को भी कड़ी चेतावनी

स्वास्थ्य विभाग ने इस फर्जीवाड़े में संलिप्त डॉक्टरों को भी सख्त चेतावनी दी है। विभाग के अनुसार, कार्रवाई केवल सेंटर संचालकों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उन सरकारी चिकित्सकों पर भी कठोर दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे जो नियमों को ताक पर रखकर इन अवैध केंद्रों को अपनी डिग्री या नाम की साख दे रहे हैं।

आयुष्मान योजना में वसूली पर 14 अस्पताल रडार पर

अभियान के दौरान आयुष्मान भारत योजना से संबद्ध 214 निजी अस्पतालों की भी गोपनीय जांच कराई गई। मरीजों से कार्ड होने के बावजूद पैसे लेने और गलत बिलिंग की शिकायतों के आधार पर 14 नामचीन अस्पतालों में अनियमितता पकड़ी गई है। इन अस्पतालों को योजना से बाहर करने के लिए स्टेट हेल्थ एजेंसी (साची), लखनऊ को रिपोर्ट भेज दी गई है। सीएमओ ने निर्देश दिया है कि सभी अस्पताल अपने परिसर में उपलब्ध सुविधाओं की स्पष्ट सूची लगाएं और भ्रामक विज्ञापनों से बचें।

काशी विश्वनाथ धाम में बैकुंठ चतुर्दशी पर हुआ विशेष हरि–हर पूजन, महाआरती में उमड़े श्रद्धालु

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी।बैकुंठ चतुर्दशी के पावन अवसर पर सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में भगवान श्री हरि विष्णु और वैकुण्ठेश्वर महादेव का विधि–विधानपूर्वक विशेष पूजन–अर्चन किया गया। कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी के इस पुनीत पर्व पर मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार और भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।



धाम के गर्भगृह और दण्डपाणि मंडप के मध्य विराजमान भगवान बैकुंठ जी के विग्रह का विद्वान आचार्यों द्वारा षोडशोपचार पूजन संपन्न कराया गया। इस दौरान श्री विष्णु सहस्रनाम के पाठ के साथ सहस्रार्चन किया गया तथा भगवान को प्रिय तुलसी दल और नैवेद्य अर्पित किए गए। अनुष्ठान के समापन पर भव्य महाआरती हुई, जिसमें श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विश्व कल्याण की कामना की।

पौराणिक मान्यता और महत्व

काशी की सनातन परंपरा में बैकुंठ चतुर्दशी को श्हरि–हर मिलनश के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता है कि कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी के दिन ही भगवान विष्णु ने काशी में भगवान शिव को एक हजार कमल के पुष्प अर्पित कर कठिन तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर महादेव ने उन्हें सुदर्शन चक्र प्रदान किया था। यही कारण है कि इस दिन शिव और विष्णु दोनों की संयुक्त आराधना का विशेष फल प्राप्त होता है।

आयुष्मान अस्पतालों के आईसीयू की होगी जांच

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने आयुष्मान कार्ड धारकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत योजना में सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में उपलब्ध इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) की सुविधाओं की विशेष समीक्षा की जाएगी। स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) ने इसके लिए संबंधित ऑडिट एजेंसियों को विस्तृत चेकलिस्ट जारी की है। सभी एजेंसियों को 30 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इस जांच में अस्पतालों के आईसीयू में उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों, विशेषज्ञ चिकित्सकों, प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ, ऑक्सीजन आपूर्ति, मरीजों की निगरानी व्यवस्था और संक्रमण नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण मानकों का आकलन किया जाएगा। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण बनाने पर लगातार जोर दे रहे हैं। ऐसे में सीएम योगी के निर्देश पर साचीज ने योजना में सूचीबद्ध निजी अस्पतालों की आईसीयू सुविधाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए विशेष ऑडिट शुरू कराया है। इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों को महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य का पत्र और आईसीयू से संबंधित विस्तृत चेकलिस्ट उपलब्ध कराई गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने इंटेंसिव केयर सेवाओं के संगठन और संचालन के लिए वर्ष 2026 की नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें आईसीयू के बुनियादी ढांचे, चिकित्सा उपकरणों, मानव संसाधन, क्लीनिकल सेवाओं, नर्सिंग देखभाल और संक्रमण नियंत्रण के लिए न्यूनतम मानक निर्धारित किए गए हैं। इन दिशा–निर्देशों का उद्देश्य देशभर में गंभीर मरीजों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण गहन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश में आयुष्मान अस्पतालों की समीक्षा के दौरान इन निर्धारित मानकों को भी ध्यान में रखा जाएगा, ताकि अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं और आवश्यकताओं के बीच अंतर का पता लगाया जा सके। केंद्र सरकार की नई गाइडलाइन में आईसीयू को मरीजों की गंभीरता और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सहायता के आधार पर तीन स्तरों में वर्गीकृत किया गया है।

बैकुंठ चतुर्दशी के पावन अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में विशेष पूजन–अर्चन का आयोजन

वाराणसी,संवाददाता। बैकुंठ चतुर्दशी के पावन अवसर पर आज श्री काशी विश्वनाथ धाम में भगवान श्री हरि विष्णु के प्रमुख विग्रहों का विधि–विधानपूर्वक विशेष पूजन–अर्चन एवं आरती संपन्न की गई। इस अवसर पर मुख्य मंदिर परिसर में गर्भगृह एवं दण्डपाणि मंडप के मध्य स्थित बैकुंठ जी के विग्रह का विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को बैकुंठ चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु एवं भगवान शिव की संयुक्त रूप से पूजा–अर्चना करने का विशेष महत्व है। मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु ने इस दिन भगवान शिव को सहस्र कमल पुष्प अर्पित कर उनकी आराधना की थी। इस पावन अवसर पर श्रद्धालु भगवान विष्णु एवं भगवान शिव का पूजन कर सुख, समृद्धि, मोक्ष एवं आध्यात्मिक कल्याण की कामना करते हैं। बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर मुख्य मंदिर परिसर स्थित बैकुंठ जी का सर्वप्रथम षोडशोपचार विधि से विधिवत पूजन किया गया। तत्पश्चात वैकुण्ठेश्वर महादेव जी को तुलसी अर्पित करते हुए श्री विष्णु सहस्रनाम के पाठ के साथ सहस्रार्चन संपन्न कराया गया। अनुष्ठान के दौरान भगवान बैकुंठ जी को लड्डू एवं विभिन्न फल सहित विविध नैवेद्य अर्पित किए गए। इसके उपरांत विधिवत महाआरती संपन्न हुई। इस शुभ अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी सहित मंदिर न्यास के कार्मिकों एवं अन्य अधिकारियों ने भी तुलसी दल अर्पित कर पूजन–अर्चन में सहभागिता की। समस्त पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान मंदिर के अर्चक के पौरोहित्य में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक विधि–विधान के साथ संपन्न हुआ।

पुलिस झंडा दिवस पर पुलिस आयुक्त ने फहराया ध्वज

वाराणसी,संवाददाता। पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर सोमवार को पुलिस लाइन में पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने पुलिस ध्वज फहराकर सलामी दी। इस दौरान उन्होंने पुलिस बल के गौरवशाली इतिहास, उसके महत्व और उत्तर प्रदेश पुलिस की समृद्ध परंपराओं से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि 23 नवंबर 1952 को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उत्तर प्रदेश पुलिस एवं पीएसी को उनकी उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस ध्वज प्रदान किया था। यह सम्मान प्राप्त करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य पुलिस बल बना था। उन्होंने कहा कि पुलिस ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि पुलिस बल के साहस, शौर्य, त्याग, समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की गौरवशाली विरासत का परिचायक है। यह ध्वज जनता की सुरक्षा, कानून–व्यवस्था बनाए रखने और जनसेवा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से ध्वज की गरिमा और प्रतिष्ठा बनाए रखते हुए पूरी निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

प्राचीन मंदिर पर कब्जे का आरोप लगाते हुए महिलाओं ने किया हंगामा

वाराणसी,संवाददाता। शिवपुर थाना अंतर्गत परमानंदपुर के आल्हा काल्हा पोखरा के समीप स्थित प्राचीन पंचमुखी हनुमान मंदिर पर सोमवार की दोपहर करीब 12.00 बजे पहुंची बड़ी संख्या में महिलाओं ने वहां कराए जा रहे बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य को रोकते हुए अवैध कब्जा का आरोप लगाते हुए विरोध तथा हंगामा किया। विरोध कर रही आक्रोशित महिलाओं का आरोप है कि मंदिर की करीब कई विश्वा कीमती जमीन भीटे की है, लेकिन गांव के ही कुछ भूमाफिया इस पर कब्जा करने के नियत से बाउंड्री वॉल कर रहे हैं। मीरा देवी नामक महिला ने बताया कि रविवार को हम लोगों ने थाने का घेराव करते हुए आरोपितों के खिलाफ तहरीर भी थी लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस द्वारा आश्वासन दिया गया था कि बगैर जमीन की जांच पड़ताल किए वहां निर्माण कार्य नहीं होगा लेकिन सोमवार को दोबारा बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया। बगैर गांव के लोगों को विश्वास में लिए ग्राम सभा और भीटे की जमीन पर निर्माण कार्य कराया जाना बेहद नींदनीय है। बुजुर्ग महिला उर्मिला देवी ने बताया कि यह जमीन काशी नरेश द्वारा दान में दी गई थी तथा भीटे की जमीन है। पुलिस आरोपितों से मिली हुई है इसलिए ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। देश के प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री से हम लोगों की गुहार है की मां प्राचीन मंदिर को संरक्षित किया जाए। बाउंड्री वॉल का निर्माण करा रहे विनय पटेल ने बताया कि मंदिर के नाम से हम लोगों ने एक माह पूर्व कमेटी बनाई है। कमेटी द्वारा मंदिर के चारों ओर सुंदरीकरण के लिए बाउंड्री वॉल कराया जा रहा है। इस दौरान पुलिस की मौजूदगी में चल रहे बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य का महिलाओं ने हंगामा करते हुए विरोध किया, जिस पर पुलिस ने महिलाओं को बुझाकर शांत कराया और निर्माण कार्य रुकवा दिया।

इंडिया में एनडीए में भी सीट बंटवारे पर खींचतान

लखनऊ,संवाददाता। यूपी असेम्बली इलेक्शन 2027 की तैयारियों के बीच इंडिया गठबंधन ही नहीं बीजेपी के नेतृत्व में बने एनडीए गठबंधन में भी सीट शेयरिंग को लेकर पेंच फंसे हैं। इंडिया गठबंधन में सपा और कांग्रेस में सीट शेयरिंग को लेकर जहां दोनों दलों के लीडर मंथन कर रहे हैं। बैठक हो रही हैं तो एनडीए में भी मंथन चल रहा है। एनडीए में यूपी के सीएम और दोनों डिप्टी सीएम को समाधान की जिम्मेदारी मिली है। समस्या जटिल भले न हो लेकिन मान मनौव्वल तो स्वाभाविक ही है।बीजेपी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानि एनडीए में सीटों के बंटवारे को लेकर अंदरखाने सियासी खींचतान कम तेज नही है। सीटों को लेकर केवल सहयोगी दलों की ही दावेदारी भाजपा के लिए चुनौती नहीं बनी है बल्कि पार्टी के भीतर भी इस मुद्दे पर एकराय नहीं है।सूत्रों की माने तो पार्टी में एक धड़ा सहयोगी दलों को 100 से अधिक सीटें देकर गठबंधन को व्यापक आधार देने का समर्थक है और दूसरा धड़ा इतनी बड़ी हिस्सेदारी देने के पक्ष में नहीं। दूसरे धड़े का मानना है कि सहयोगियों को पिछली बार की तरह सीमित और प्रदर्शन के आधार पर तय सीटें दी जानी चाहिए। ऐसे में भाजपा के सामने सहयोगियों की महत्वाकांक्षा और चुनावी समीकरणों के बीच संतुलन की चुनौती है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 376 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उस समय अपना दल एस को 17 तथा निषाद पार्टी को 10 सीटें मिली थीं। राज्य की राजनीतिक परिस्थितियां बदली हैं। वर्तमान में राष्ट्रीय लोकदल रालोद और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी सुभासपा भी राजग का हिस्सा है जिसके चलते भाजपा को चार प्रमुख सहयोगी दलों के साथ सीटों का तालमेल बैठाना है। सहयोगियों की अपनी राजनीतिक ताकत, जातीय समीकरण और पिछले चुनावों के प्रदर्शन को आधार बनाकर अधिक सीटों की मांग है। बताते हैं कि चारों दलों की सामूहिक दावेदारी 116 से 117 सीटोंतक बताई गई है जबकि इसके मुकाबले भाजपा 60 सीटों के आसपास सहयोगियों के समायोजन के मूड में है।रालोद और सुभासपा की भूमिका खास मानी जा रही है। 2022 के चुनाव में ये दोनों दल समाजवादी पार्टी के साथ थे, जहां रालोद ने 33 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे और सुभासपा ने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था। अब राजग में शामिल होने के बाद दोनों दल पुरानी चुनावी हिस्सेदारी को आधार बनाकर अधिक सीटें चाहते हैं। अपना दल एस और निषाद पार्टी भी पिछली बार मिली सीटों से कम पर समझौते के मूड में नहीं हैं।

सहयोगी दलों का तर्क है कि उनके सामाजिक आधार और क्षेत्रीय प्रभाव का सीधा लाभ भाजपा को मिलता है इसलिए सीटों के बंटवारे में इसका ध्यान रखा जाना चाहिए।

चार पहिया वाहन के धक्के से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

वाराणसी,संवाददाता। लोहता थाना क्षेत्र के कोरौती गांव के पास सोमवार की सुबह तेज रफ्तार चार पहिया वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक चंदन पटेल 23 वर्ष खेसीपुर गांव का रहने वाला है। चंदन सोमवार सुबह किसी काम से कोरौती गांव के सामने से गुजर रहा था। तभी पीछे से आए एक चार पहिया वाहन ने उसे जोरदार धक्का मार दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि चंदन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे आनन–फानन में पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के पिता का नाम चंद्रशेखर पटेल और माता का नाम गीता देवी है। चंदन दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। वह मेडिकल की तैयारी कर रहा था। बेटे की मौत से मां गीता देवी का रो–रोकर बुरा हाल है। परिवार वालों का कहना है कि चंदन पढ़ाई में होनहार था और डॉक्टर बनकर परिवार का नाम रोशन करना चाहता था, लेकिन हादसे ने सारे सपने चकनाचूर कर दिया। थानाध्यक्ष पीयूष कुमार ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। वाहन का पता लगाकर चालक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय...

यमुना भी मैली

पिछले दिनों दिल्ली के यमुना तटों पर छठ पर्व के मौके पर रासायनिक झाग के बीच सूर्य को अर्घ्य देती महिला श्रद्धालुओं की तस्वीरों ने पूरे देश को विचलित किया। तंत्र की काहिली देखिए कि पर्व के दौरान भी श्रद्धालुओं को प्रदूषण मुक्त पानी वाले घाट नहीं मिल सके। लेकिन अब यमुना के पानी को जहरीले रसायनों वाले झाग से मुक्त करने के दावे किए जा रहे हैं। यह विडंबना ही है कि हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद यमुना और मैली हो गई है। मैली यमुना फैक्ट्री मालिकों और लोगों की आपराधिक लापरवाही तथा तंत्र की काहिली की दास्तां बयां करती है। यही वजह है कि पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने यमुना नदी में गिरने वाले 520 नालों और सफाई के सरकारी प्रयासों पर सवाल उठाए हैं। विडंबना यही है कि जब तक कोई राजनीतिक दल विपक्ष में होता है, तब तक अपनी सुविधा के हिसाब से यमुना की सफाई पर सवाल उठाता है, लेकिन जब वही राजनीतिक दल सत्ता में आता है तो खामोशी ओढ़ लेता है। बहरहाल, पिछले कई दशकों से यमुना के प्रदूषित होने का प्रश्न पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी सार्वजनिक बहसों के केंद्र में रहा है। लेकिन राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव की दृष्टि से सुविधा का मुद्दा ही रहा है। विपक्ष में हैं तो यमुना की सफाई को मुद्दा बनाया जाता है। सत्ता में आते ही चुप्पी साध ली जाती है। जाहिर है, इसकी सफाई के लिए ईमानदार प्रयास होते ही नहीं। यदि होते तो यमुना की यह दुर्दशा ही न होती। मौलिक सवाल यही है कि यदि यमुना की सफाई में हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए हैं तो यमुना मैली की मैली क्यों है? आज वह दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में क्यों शामिल है? सवाल सरकारों की इच्छाशक्ति का भी है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने यमुना की दुर्दशा पर लगातार सवाल उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि यमुना की सफाई पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद प्रदूषण पहले के मुकाबले और कैसे बढ़ गया है? वह भारी-भरकम राशि कहां गई, जो सफाई पर खर्च की गई थी? आखिर क्या वजह है कि नदी का पानी उपयोग लायक नहीं रह गया? सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का भी उल्लेख किया कि गंदा पानी ले जाने वाले 520 नाले यमुना में क्यों गिराए जा रहे हैं? कोर्ट ने प्रश्न किया कि जिन विभागों की जिम्मेदारी यमुना में गंदे नालों को जाने से रोकने की थी, उन्होंने क्या किया? यही वजह है कि अदालत ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कहा है कि राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और जनपदों में यमुना में गिरने वाले नालों की निगरानी की जाए। कोर्ट ने यमुना की सफाई के मुद्दे पर राजनीतिक दलों की सुविधा की राजनीति पर प्रश्न उठाए। अदालत ने इस मुद्दे पर सरकारों और राजनीतिक दलों को इच्छाशक्ति दर्शाने की नसीहत भी दी। बहरहाल, तंत्र की नाकामी के साथ-साथ नागरिक भी गैर-जिम्मेदार व्यवहार के लिए दोषी हैं। नागरिकों को आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए यमुना को साफ करने का बीड़ा उठाना चाहिए।

कहानी हसीन होनी चाहिए

किरदार चाहे जो भी हो
कहानी हसीन होनी चाहिए...
दिल में अच्छाई और
आंखों में प्यार होना चाहिए...
गायसी में क्या रखा है
जिंदगी तो गुलजार होना चाहिए...
सजते तो सभी है आजकल
पर उसमें थोड़ी सादगी की मिलावट भी होनी चाहिए...
यूं तो सबके जिंदगी का सफर आसान नहीं होता
जिंदगी जीने के लिए खुशमिजाज होना चाहिए...
मिठास होठों पर नहीं
दिल में होनी चाहिए...
लोग चाहे जैसे भी बर्ताव करें
पर आपके बर्ताव में संस्कार होने चाहिए...
स्वार्थ से भरी इस दुनिया में
थोड़ा निस्वार्थ भी होना चाहिए...
फिरक्राए गाहे जो भी हो
कहानी हसीन होनी चाहिए...

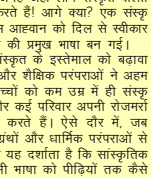

शेन्झेन में दिग्गजों की त्रिपक्षीय वार्ता से संदेश

शेन्झेन में तीन ताकतवर देशों के प्रमुखों पुतिन, शी जिनपिंग और ट्रम्प की मुलाकात में अहम कूटनीतिक संकेत है कि जब राष्ट्रीय हित साधने हों तो विचारधारा मायने नहीं रखती। ऐसे में भारत की विदेश नीति, पाकिस्तान के प्रति रुख और नेतृत्व की उम्मीदों पर चर्चा स्वाभाविक है। वहीं घरेलू सियासत में मोदी जानते हैं कि विरोध प्रदर्शनों के मूल में कॉर्पोरेट जगत से लाभ आमजन तक नहीं पहुंचना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ दिन पहले ही मनीला में क्वाड और आसियान की बैठकों से लौटे हैं, दिल्ली पहुंचने पर ब्रिटिश राज सिंहासन के उत्तराधिकारी विलियम और उनकी पत्नी केट को उनका इंतजार करते पाया। कम से कम उनसे कोई नुकसान नहीं था यानी, उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने से किसी का कोई नुकसान नहीं होने वाला था। समस्या, जिसे प्रधानमंत्री से बेहतर कोई नहीं समझता, कहीं और हैकृदेश के भीतर भी और बाहर भी। बाहरी मोर्चे पर भारत अपना प्रबंधन काफी अच्छा कर रहा है, भले ही उसकी विदेश नीति के कुछ हिस्सों में एक तरह का मतिभ्रम झलकता हो– मसलन अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित रूसी तेल की खरीद और बिक्री का मामला। भारत ने इस मामले में काफी बेहतर कर दिखाया हैय रूसी तेल खरीदने के लिए रुपया–रूबल वोस्ट्रो खाते' का इस्तेमाल करते हुए, तेल को शोधित किया– ताकि अब इसे भारतीय निर्यात बताया जा सके–और फिर इसे आगे बेच दिया, जिसमें यूरोपीय रिफाइनरियां भी शामिल है। कमी–कमार लगने वाले 'घोस्ट फ्लीट' (गायब हो जाने वाले जहाजों के बेड़े) के आरोपों के बावजूद–जिसमें हजारों बैरल तेल ले जा रहे पूरे के पूरे जहाज अचानक गायब हो गएकृसच तो यह है कि मोदी सरकार ने कुछ रूसी (और ईरानी भी) तेल का भुगतान चीनी युआन में भी किया है। इसके लिए शंघाई में विशेष तौर पर इसी काम के लिए खोले गए आईसीआईसीआई बैंक का इस्तेमाल किया गया। जरा सोचिए, भारत अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए रूसी तेल का भुगतान डॉलर के बजाय रुपये और युआन में कर रहा है। फिर भी, रूस और चीन के साथ भारत के संबंध रणनीतिक होने की बजाय केवल लेन–देन तक ही सीमित बने हुए हैं। ऐसा इसलिए कि भारत इन दोनों देशों के साथ बहुत नजदीकी रिश्ते बनाने से हिचकिचा रहा है खासकर चीन के साथ, जो 'वास्तविक नियंत्रण रेखा' (एलएसी) पर लगातार उकसावे वाली हरकतें करके भारत को परेशान करता रहता है। यह भी विचारणीय है कि भारत रियलपॉलिटिक' वाले दायरे में रहकर ही क्यों खेल रहा है। पिछले हफ्ते शेन्झेन में आपने दुनिया के तीन बड़े नेताओंकृलादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रम्पकृ को टीवी पर एक–दूसरे से हाथ मिलाते देखा होगा। दुनिया के इन सबसे शक्तिशाली नेताओं ने अपने लिए यह त्रिपक्षीय मंच तैयार किया है, क्योंकि उनके पास किसी और की तुलना में दुनिया को कहीं ज्यादा बदलने की क्षमता है।

इससे पिछले सप्ताह मेंइनमें से हर नेता एक–दूसरे की कटु आलोचना कर रहा था। किंतु गत सप्ताह, वे कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे–एक समान भी और असमान भी। उनमें से किसी ने भी अपनी विचारधारा को अपने राष्ट्रीय हितों के अभियान के आड़े नहीं आने दिया। आप पूछ सकते हैं कि इसमेंभारत कहां है? अगर भारतीय इतने ही होशियार हैं, तो आजादी के 79 साल के बाद भी भारत एक बड़ी ताकत बनने के करीब भी क्यों नहीं? इस सवाल के कई जवाब हो सकते हैं, लेकिन 'अहंकार' से निभाई थीकृन खाऊंगा, न खाने दूंगा'। यानी, न तो मैं खुद रिश्वत लूंगा और न ही किसी और को रिश्वत लेने दूंगा। पिछले 12 सालों में बहुत कुछ बदल गया। बीजेपी अब कहीं ज्यादा मजबूत पार्टी बन चुकी है। लेकिन मोदी को यह भी अच्छी तरह पता हैकृवास्तविक जब कुछ ही महीनों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर, उत्तराखंड और गोवा



बड़ी कोई अहम वजह नहीं। भारतीयों को बड़ा–चढ़ाकर बताई गई अपनी श्रेष्ठता की कहानियों पर अब यकीन होने लगा है। मनीला से लौटने के बाद, प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत के सम्मेलन में दिग्गजों को आईना दिखाया। पूछा कि जब सरकार ने उन्हें हर तरह की कर–छूट दी,तो उन्होंने भारत को चमकाने के लिए कड़ी मेहनत क्यों नहीं की? यह कहते हुए '...लेकिन आपकी भूख इतनी है, कितना ही खिलाओ, पेट भरता नहीं..'। प्रधानमंत्री की यह तीखी टिप्पणी उनके 2014 के उस नारे की याद दिलाती है, जिसने उन्हें सत्ता में पहुंचाने में अहम भूमिका में चुनाव है कि आम जनता के बीच असंतोष का असल कारण है कि सरकारी नीतियों का फायदा कॉर्पोरेट घरानों से होते हुए आम आदमी तक नहीं पहुंचा (जिसका फायदा 'कॉकरोच जनता पार्टी' उठा रही है)। कॉर्पोरेट घरानों पर प्रधानमंत्री के इस हमले को इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए।

आपको क्या लगता है, शेन्झेन को देखकर प्रधानमंत्री ने और क्या सीख ली होगी? शायद इसी ने बीते शुक्रवार दिल्ली में एससीओ के 'सिविलाइजेशनल फोरम' के उद्घाटन के दौरान उन्हें अपना पसंदीदा उवाच 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी 'पूरी दुनिया एक ही परिवार है' फिर से करने को उद्धृत किया। यह तब हुआ, जब दर्शकों के बीच पाकिस्तान के प्रतिनिधि, जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक भी मौजूद थे। सनद रहे, मलिक ने नई दिल्ली में निजामुद्दीन दरगाह जाने की अनुमति मांगी थी– जहां 12वीं सदी के लोकप्रिय सूफी संत हजरत निजामुद्दीन की मजार है और जो उनके होटल से कुछ ही किलोमीटर दूर है– लेकिन सरकार ने अनुरोध ठुकरा दिया। इस मतिभ्रम को कैसे समझाया जाए? यह भी याद रहे, जैसा कि हाल ही में लंदन से 'द ट्रिब्यून' के संवाददाता श्याम भाटिया ने रिपोर्ट किया था, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सितंबर में यूके के चैथम हैौसे के साथ एक बंद कमरे में हुई बैठक में कहा था कि ये पाकिस्तान के साथ 'लोगों का लोगों के साथ मेलजोल' को फिर से शुरू करने के पक्ष में हैं। यह बात तब कही , जब उनकी अपनी सरकार ने पिछले साल मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से पंजाब के पड़ोसी (पाकिस्तान) के साथ बातचीत बंद कर रखी है। जाहिर है कुछ अपवाद भी है जैसे पाकिस्तानी सिखों के जत्थों को भारत में सिख तीर्थस्थलों (जिनमें हेमकुंट साहिब भी शामिल है) पर जाने की अनुमति दी गई, और इसी तरह भारतीय सिखों के जत्थे भी पाकिस्तान जा रहे हैंय एक जत्था पिछले साल गया था, और अब एक और जत्था जल्द ही जाने की उम्मीद है। यहां यह अंदाजा लगाना कठिन नहीं कि ये अपवाद पंजाब में चुनाव को ध्यान में रखकर मंजूर किए हैं। फिर भी, कुछ चीजें बदल सकती हैं–जिसमें पाकिस्तान के प्रति अपनाई कड़े रुख वाली नीति भी शामिल है– खासकर यदि आने वाले कि्रानसमा चुनावके नतीजे अप्रत्याशित रहें। भले ही नतीजे उम्मीद के मुताबिक क्यों न हों, बदलाव की संभावना बनी हुई है– यह न भूलें कि विदेश नीति का घरेलू राजनीति से गहरा संबंध होता है। अगर प्रधानमंत्री यह मान लें कि भारत के अड़ियल रुख की वजह से एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में भारत की भूमिका बाधित हो रही है, तब जल्द बदलाव करना ही पड़ेगा।

यही वजह है कि गत सप्ताह शेन्झेन में 'बिग थ्री' (तीन बड़ी शक्तियों) की मुलाकात की तस्वीरें भारत की विदेश नीति को समझने के लिए बहुत अहम हैं। कोई शक नहीं कि अमेरिका का कमजोर होना चीन के लिए फायदेमंद है। वहीं, रूस ने फिर से मुख्य केंद्र में अपनी जगह बना ली है, क्योंकि वह अपने इस संकल्प पर कायम रहा कि यूक्रेन में अपनी 'न्यायपूर्ण लड़ाई' जारी रखेगा, भले ही युद्ध का परिणाम कितना भी भयानक हो, और इस तथ्य के बावजूद कि उसे 10 लाख लोग खोने पड़े हैं। हालांकि इस युद्ध को लेन मुहैया अमेरिका ही करवा रहा है और लंबा खींच रहा है।

मुश्किल हालात में भी रूस का दृढ़ संकल्पय चीन की हर हाल में शीर्ष पर पहुंचने की प्रतिबद्धतायं और नाना मुश्किलों में घिरा अमेरिका, जो अपने बोझों,जैसे कि ईरान के साथ जारी युद्ध से पिंड छुड़ाना चाहता है। मुझे लगता है कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने शेन्झेन में पुतिन, शी और ट्रम्प को देखा होगा, तो उन्होंने जरूर सोचा होगा कि क्या इस कहानी का सबक यह तथ्य है कि दुश्मन भी एक ही मेज पर बैठकर बात कर सकते हैं?

आज भी जीवन को दिशा देने वाले शाश्वत विचार

युग भले ही बदल चुका हो, परिस्थितियां कमोबेश वही हैं। ऐसे में सामाजिक कायाकल्प करने हेतु जगतगुरु नानक जी सरीखे महापुरुषों द्वारा प्रदत्त शिक्षाओं का गहनतापूर्वक मनन और अनुसरण करना समय की मांग बन जाता है।

सिख धर्म के संस्थापक एवंप्रथम गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल, 1469 ई. को राय भोई की तलवंडी (वर्त्तमान ननकाना साहिब) में हुआ था। माता तृप्ता तथा पिता मेहता कालू के घर जन्मा यह अलौकिक बालक बचपन से ही ध्यान–गंभीर स्वभाव का था। किसी शब्द या अक्षर का गहन विश्लेषण करना हो अथवा प्रचलित रस्मों को तार्किक आधार पर परखना, ये सभी गुण उनमें बाल्यकाल से ही विद्यमान थे। गुरु नानक जी युवावस्था की दहलीज पर पहुंचने से पूर्व ही तत्कालीन समाज की दुर्दशा भली–भांति भांप चुके थे। सर्वत्र अंधविश्वास, पाखंड तथा कट्टरता का बोलबाला था। जाति प्रथा, वर्ण व्यवस्था, छुआछूत जैसी कुप्रथाएं चरम पर थीं। निरंकुश शासक जनता का शोषण कर रहे थे। अशिक्षा जीवन से उबारने का एकमात्र उपाय था ज्ञानदीप प्रज्वलित करके सुषुप्तप्रायः जनसामान्य को झकझोरना, दिशाज्ञान देने के साथ–साथ स्वयं उदाहरण बनकर उन्हें अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस प्रदान करना। यह महत्त्वपूर्ण कार्य करने का बीड़ा उठाया विचारशील, समाज–सुधारक एवं संत प्रकृति के स्वामी गुरु नानक जी ने। इस संदर्भ में उनके द्वारा की गई चार उदासियां (धर्म–यात्राएं) विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारत के अलावा मक्का, अरब, तिब्बत तथा अफगानिस्तान जैसे दूरस्थ क्षेत्रों की यात्राएं करके जहां उन्होंने सत्य, प्रेम तथा भाईचारे का संदेश दिया, वहीं पाखंडों और अंधविश्वासों का खंडन भी किया। गुरु नानक जी की शिक्षाएं तीन मुख्य सिद्धांतों पर आधारित हैंकृनाम जपो; कीरत करो और वंड छको। 'नाम जपो' से आशय निरंतर ईश्वर से जुड़े रहना तथा सबका भला मांगना है। एक ओंकार में आस्था रखने वाले बाबा नानक जी के अनुसार, 'नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सरबत दा भला।'

'कीरत करो' से अभिप्राय ईमानदारीपूर्वक आजीविका कमाकर परिवार का पालन–पोषण करना



है। 'वंड छको' का अर्थ है मिल–बांटकर खाना तथा अपनी कमाई का कुछ हिस्सा जरूरतमंदों की सहायता के लिए अर्पित करना। सामाजिक समानता के पक्षधर गुरुजी के विचार में जन्म से किसी की जाति ऊंची या नीची नहीं होतीय ऊंच–नीच तो अच्छे और बुरे कर्मों के माध्यम से तय होती है। उनके शब्दों में 'न हम हिंदू न मुसलमान।' इसी सोच के तहत 'लंगर' की शुरुआत की गई, जिसमें किसी भी वर्ण, धर्म, जाति या समुदाय से संबद्ध लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। बाबा नानक जी के कथनानुसार, मुक्ति या आध्यात्मिकता मात्र संन्यासी बनने अथवा गुफाओं में बैठने से नहीं मिलती। गृहस्थ जीवन में सामाजिक दायित्व निष्ठापूर्वक निभाकर भी इन्हें प्राप्त किया जा सकता है। वे कमल की ही भांति सांसारिक कीचड़ से निर्लिप्त रहकर प्रभु–भक्ति करने पर बल देते हैं। दरअसल, पांच शताब्दी पूर्व दी गई ये शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। 'पउणु गुरु पाणी पिता माता धरति महतु' कहकर गुरु नानक जी ने पवन, पानी और धरती को क्रमशः गुरु, पिता तथा माता जैसा महत्त्वपूर्ण दर्ज दिया। इसके बावजूद स्वार्थी मानव नहीं संभला। नतीजतन, अनमोल प्राकृतिक तत्त्व आज चिंताजनक स्तर तक विषाक्त हो चुके हैं। भेदभाव की जिस खाई को पाटना बाबाजी के जीवन का उद्देश्य रहा, वह आज भी कहीं–न–कहीं समाज में अपनी जगह बनाए हुए है। जिस नारी के सम्मान में बाबाजी 'सो किउ मंदा आखिए जितु जम्हि राजान' का पुरज़ोर स्वर बुलंद करते रहे, वह आज भी लैंगिक पक्षपात, शोषण आदि से पूर्णतः मुक्त नहीं हो पाई है। क्षुधाकुल पेट भरने को ही 'सच्चा सौदा' मानने वाले गुरु नानक जी के देश में दुर्भाग्यवश, आज ऐसे सौदागरों की कोई कमी नहीं, जो मुनाफाखोरीके लोभ में लोगों का जीवन तक दांव पर लगा देते हैं। निहित स्वार्थों के चलते मजहब और जाति के नाम पर लोगों को लड़ना आधुनिक राजनीति में आम देखा जा सकता है। भौतिकतावाद की अंधी दौड़ में हमने स्वयं को इस कदर मसरूफ कर डाला है कि हमारे भीतर बसा 'अनहद नाद' भूले से भी हमें सुनाई नहीं पड़ता। इसी कारण बात–बेबात संक्रमित दरक रहे हैं। समाज में अनाचार बढ़ रहा है। अनैतिकता हावी हो रही है तथा अशांति और अवसाद गहराते जा रहे हैं। कुल मिलाकर, युग भले ही बदल चुका हो परिस्थितियां कमोबेश वही हैं। ऐसे में सामाजिक कायाकल्प करने हेतु जगतगुरु नानक जी सरीखे महापुरुषों द्वारा प्रदत्त शिक्षाओं का गहनतापूर्वक मनन और अनुसरण करना समय की मांग बन जाता है।

संस्कृतमय मत्तूर

यहां बातचीत कन्नड़ या अंग्रेजी में नहीं, बल्कि संस्कृत में होती है। कर्नाटक में एक ऐसा गांव है, जहां आज भी लोगों की रोजमर्रा की बातचीत की भाषा संस्कृत है। इस गांव का नाम है मत्तूर। मत्तूर बेंगलुरु से करीब 320 किलोमीटर की दूरी पर है। माना जाता है कि 16वीं शताब्दी में राजा कृष्णदेव राय ने संस्कृत के प्रचार–प्रसार के लिए मत्तूर गांव को केंद्र बनाया था। हालांकि, आधुनिक दौर में यह भाषा धीरे–धीरे कमजोर पड़ने लगी थी। बाद में वैदिक जड़ों की ओर वापसी का सफर 1981 में शुरू हुआ, जब शास्त्रीय भाषा को बढ़ावा देने वाली संस्था संस्कृत भारती ने मत्तूर में 10 दिवसीय संस्कृत कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें पास के उडुपी स्थित पेजावर मठ के संत समेत कई अन्य लोग शामिल हुए। ग्रामीणों को संस्कृत को संरक्षित करने के इस अनूठे प्रयोग में उत्साहपूर्वक भाग लेते देख संत ने कहा, 'एक ऐसी जगह जहां लोग संस्कृत बोलते हैं, जहां पूरे घर संस्कृत में बात करते हैं! आगे क्या? एक संस्कृत गांव! मत्तूर के निवासियों ने इस आह्वान को दिल से स्वीकार कर लिया। इस तरह संस्कृत गांव की प्रमुख भाषा बन गई।

माना जाता है कि मत्तूर में संस्कृत के इस्तेमाल को बढ़ावा देने में वहां की स्थानीय धार्मिक और शैक्षिक परंपराओं ने अहम भूमिका निभाई है। इस गांव में बच्चों को कम उम्र में ही संस्कृत से परिचित कराया जाता है, और कई परिवार अपनी रोजमर्रा की बातचीत में इसका इस्तेमाल करते हैं। ऐसे दौर में, जब संस्कृत को अक्सर सिर्फ प्राचीन ग्रंथों और धार्मिक परंपराओं से जोड़कर देखा जाता है, मत्तूर गांव यह दर्शाता है कि सांस्कृतिक और शैक्षिक पहलों के जरिए किसी भाषा को पीढ़ियों तक कैसे जीवित रखा जा सकता है। मत्तूर में सब्जी विक्रेता से लेकर पुजारी तक, हर कोई संस्कृत समझता है। अधिकांश लोग ग्रामप्रवाह संस्कृत बोलते भी हैं। नदी किनारे वैदिक मंत्रों का पाठ करते बुजुर्गों का समूह और उनके पास से साइकिल पर तेजी से गुजरते हुए कुछ युवकों का प्राचीन भाषा में मोबाइल फोन पर बातचीत करते हुए निकलना कोई असामान्य बात नहीं है। मत्तूर एक कृषि प्रधान गांव है जहां मुख्य रूप से सुपारी और धान की खेती होती है। यहां संकेठी समुदाय के लोग रहते हैं, जो एक प्राचीन ब्राह्मण समुदाय है। यह समुदाय लगभग 600 वर्ष पूर्व केरल से आकर मत्तूर में बस गया था। संस्कृत के अलावा, वे संकेठी नामक एक दुर्लभ बोली भी बोलते हैं, जो संस्कृत, तमिल, कन्नड़ और तेलुगु के कुछ अंशों का मिश्रण है।

संतुलित विकास की सोच से ही बच सकती है दुनिया

उमेश चतुर्वेदी

मोटे तौर पर इस बदलाव के पीछे मनुष्य का लालच और समृद्धि हासिल करने की उसकी चाहत काम कर रही है। उन्नीसवीं सदी की औद्योगिक क्रांति के पहले तक पूरी दुनिया में संतुलित उपभोग का सिद्धांत काम करता था। औद्योगीकरण के बढ़ते कदम के साथ इस सोच में कमी आई। देश अभी सूखे के दुष्प्रभाव से निबटने की कोशिश कर ही रहा था कि महज एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी से उठे दो–दो तूफानोंने इसके तटीय इलाकों में कहर बरपा गया। तकनीकी विकास की वजह से तूफानों की पूर्व सूचना के चलते सरकारों ने एहतियाती उपाय कर लिए, इस वजह से बहुत ज्यादा जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन तटीय इलाकों के बुनियादी ढांचे बिजली व्यवस्था आदि को भारी पैमाने पर नुकसान पहुंचाने में सफल रहा। अनंब जहां 28–29 अक्टूबर को आया तो दो नवंबर को मूसलू कहर बनकर उभरा। इतिहास में कम ही मौके ऐसे आए होंगे, जब सिर्फ एक हफ्ते के भीतर दो–दो तूफान आए। इन दोनों तूफानों ने ना सिर्फ माली नुकसान पहुंचाया, बल्कि मौसम चक्र को भी बदलकर रख दिया। दोनों के असर से उत्तर भारत तक के मौसम में बदलाव दिखने लगा है। करीब डेढ़ दशक से उत्तर भारत में देर से दस्तक देने वाला ठंड का मौसम कुछ पहले ही आ गया है।

विगत कुछ दशकों से भारत ही नहीं दुनिया के मौसम चक्र में बदलाव दिख रहा है। इसकी वजह से वातावरण का तापमान बढ़ रहा है, बारिश का चक्र या तो कमजोर पड़ रहा है या फिर अचानक ही किसी इलाके में तीव्र हो जा रहा है। इससे चलते जहां वनस्पतियों की जहां कुछ प्रजातियां नष्ट हो रही हैं वहीं जंतु जगत के कार्यकलाप, आदत और अस्तित्व में परिवर्तन नजर आने लगे हैं। इसका असल फसल चक्र और उनकी पैदावार पर भी पड़ रहा है। अब्दल तो दुनिया को इन बदलावों से चिंतित होना चाहिए, विश्व पेक्षान में दिखता है, लेकिन इस बदलाव को थामने की वैश्विक स्तर पर जैसी संजीदा कोशिश होनी चाहिए, नहीं हो रही है।इसे भी पढ़ेंकृ दाल–तेल–दूध–चीनी सब महंगा हो रहा.क्या सच में आर्थिक आपदा की कगार पर भारत? विदेशी धरती से राहुल ने अब फोड़ा कौन सा नया बम!

मोटे तौर पर इस बदलाव के पीछे मनुष्य का लालच और समृद्धि हासिल करने की उसकी चाहत काम कर रही है। उन्नीसवीं सदी की औद्योगिक क्रांति के पहले तक पूरी दुनिया में संतुलित उपभोग का सिद्धांत काम करता था। औद्योगीकरण के बढ़ते कदम के साथ इस सोच में कमी आई। लेकिन उदारीकरण के तेज बढ़ते कदमों की वजह से दुनिया में उपभोगवाद को बढ़ावा। जैसे–जैसे उपभोग की संस्कृति बढ़ती गई, उत्पादन की मांग बढ़ती गई। उत्पादन के चलते प्रकृति का दोहन बढ़ा, ऊर्जा की मांग बढ़ी। इस पूरी प्रक्रिया में प्रकृति और सभ्यता के बीच संतुलन गड़बड़ाना शुरू हुआ।



जिसका असर जलवायु परिवर्तन के रूप में दिख रहा है। महात्मा गांधी बहुत पहले इस व्यवस्था को लेकर दुनिया को चेता चुके थे। उपभोगवाद को नियंत्रित रखने की कल्पना उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तिका हिंद स्वराज में की है। 1909 में लिखी इस पुस्तिका में गांधी ने लिखा है, 'हम देखते हैं कि मन एक बेचैन पक्षी हैय जितना अधिक इसे मिलता है उतना ही यह चाहता है और असंतुष्ट रहता है। हम जितना अधिक अपने जुनून में लिप्त होते हैं वे उतने ही बेलगाम होते जाते हैं। इसलिए, हमारे पूर्वजों ने हमारे भोग–विलास की एक सीमा तय की। उन्होंने देखा कि खुशी काफी हद तक एक मानसिक स्थिति थी। एक आदमी जरूरी नहीं कि इसलिए खुश हो क्योंकि वह अमीर या दुखी है। आखिरकार, वह गरीब है। अमीरों को अक्सर दुखी और गरीबों को खुश देखा जाता है। लाखों लोग हमेशा गरीब रहेंगे। यह सब देखते हुए, हमारे पूर्वजों ने हमें विलासिता और सुख से दूर रखा।"

आज दुनिया ने शहरीकरण और औद्योगीकरण को विकास का पैमाना मान लिया है। दोनों ने ही हमारे जीवन में उपभोगवाद को बढ़ावा दिया है। इसकी वजह से हमारी जलवायु में कई तरह के बदलाव आ रहे हैं। इसका सबसे स्पष्ट संकेत यह है कि दुनिया गर्म हो रही है। वैज्ञानिकों को यह बात उपग्रहों मौसम संबंधी गुब्बारों थर्ममीटरों मौसम केंद्रों और अन्य स्रोतों से जुटाए गए सबूतों से पता चली है। 1880 के बाद से, विश्व के औसत तापमान में लगभग एक डिग्री सेल्सियस यानी करीब 1.7 डिग्री फारेनहाइट की वृद्धि हुई है। अगर शहरीकरण और औद्योगीकरण केंद्रित उपभोगवाद यूं ही जारी रहा तो अनुमान है कि 2050 तक वैश्विक तापमान में लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस यानी करीब 2.7 डिग्री फारेनहाइट और साल 2100 तक 24 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, 1960 के दशक से वैश्विक औसत वार्षिक तापमान में लगातार वृद्धि हुई है। इसके आंकड़ों के अनुसार, 20वीं सदी के बाद से सबसे गर्म रहे 20 वर्षों में से 19 वर्ष सिर्फ 2001 के बाद के हैं। आशंका है कि भविष्य में आने वाला सबसे ठंडा वर्ष भी, 20वीं सदी के सबसे गर्म वर्ष की तुलना में अधिक गर्म होगा। विस्कॉन्सिन मेंतापमान और वर्षा में आए बदलावों का पता लगाने के लिए, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन–मैडिसन के वैज्ञानिकों ने स्फेरिकल क्लाइमेटिक डेटा सेंटरश द्वारा पूरे राज्य के नेटवर्क से जुटाए गए तापमान रिकॉर्ड का विश्लेषण किया है। इन आंकड़ोंसे पता चलता है कि 1950 के दशक के बाद से विस्कॉन्सिन का तापमान 2 डिग्री फारेनहाइट बढ़ गया है, साथ ही यहाँ बारिश में 4.5 इंच यानी करीब 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे सबसे ज्यादा तापमान सर्दियों में बढ़ा है, जबकि वर्षा में सबसे अधिक वृद्धि गर्मियों के दौरान हुई है। स्क्रिप्स इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी के डॉ. चार्ल्स डेविड कीलिंग द्वारा शुरू की गई वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड की दैनिक रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि वातावरण में उपलब्ध कार्बन डाइऑक्साइड में घटत–बढ़त होती रही है। जाहिर है कि इसका असर भी मौसम चक्र पर पड़ रहा है। दरअसल कार्बन डाइऑक्साइड का संबंध प्रकाश संश्लेषण से जुड़ा है। वसंत के मौसम में जब पौधे बढ़ते हैं, तो वे हवा से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और सूर्य की ऊर्जा का उपयोग करके उसे कार्बन में बदल देते हैं, साथ ही ऑक्सीजन छोड़ते हैं। वहीं, पतझड़ के मौसम में जब पौधे नष्ट होते हैं तो वे कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी मात्रा में बढ़त दिखती है।

कार्तिक पूर्णिमा पर आस्था का सैलाब, सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

स्नान और दर्शन–पूजन के लिए बरहज, भागलपुर और बनारस जाने वाले श्र(ालुओं से गुलजार रहा रेलवे स्टेशन



सलेमपुर (देवरिया)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर सोमवार को धर्म और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। पवित्र नदियों में स्नान और धार्मिक स्थलों पर दर्शन–पूजन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। इसी क्रम में सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर भी श्रद्धालुओं की भारी चहल–पहल देखने को मिली। बड़ी संख्या में लोग बरहज, भागलपुर, बनारस सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जाने के लिए ट्रेनों का इंतजार करते दिखाई दिए।

कार्तिक पूर्णिमा के धार्मिक महत्व को देखते हुए सुबह से ही स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे अपने परिजनों के साथ पवित्र स्नान के लिए रवाना होने को उत्सुक नजर आए। हाथों में पूजा–पाठ का सामान और मन में श्रद्धा लिए लोग अपनी निर्धारित ट्रेन के इंतजार में प्लेटफॉर्म पर बैठे दिखाई दिए।

मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान और दान–पुण्य करने से विशेष धार्मिक फल की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न स्नान घाटों और धार्मिक स्थलों की ओर रुख करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर भी पर्व की विशेष रौनक देखने को मिली। श्रद्धालुओं की भीड़ ने एक बार फिर क्षेत्र में पर्व के प्रति लोगों की गहरी आस्था और धार्मिक परंपराओं की झलक प्रस्तुत की।

खड़े ट्रैक्टर से टकराई बाइक, युवक गंभीर रूप से घायल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

मैलानी (लखीमपुर खीरी)। थाना क्षेत्र के हजरतपुर मोड़ के पास सोमवार को हुए एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, अरविंद कुमार सोमवार को गोला से अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान हजरतपुर मोड़ के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्रैक्टर से जा टकराई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को तत्काल बांकेगंज अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी की नाजुक हालत को देखते हुए पहले गोला और फिर जिला अस्पताल लखीमपुर भेजा, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया है।

एमएलए सुशील सिंह के काफिले में घुसी स्कार्पियो, तीन गाड़ियां क्षतिग्रस्त

लोक हस्तक्षेप समाचार

सैयदराजा। चंदौली के सैयदराजा से बीजेपी विधायक सुशील सिंह के काफिले की गाड़ियों को एक बेकाबू स्कॉर्पियो ने सोमवार को टक्कर मार दी। बताया जा रहा कि एमएलए के काफिले में एक सफेद स्कॉर्पियो घुसी और उसने एक के बाद एक कई गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस घटना में विधायक के काफिले की तीन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई है। वहीं, कि ायक की खुद की गाड़ी भी इस एक्सीडेंट में पलट गई। हालांकि सभी लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। बीजेपी विधायक सुशील सिंह ने बताया कि उनके पीछे करीब 15 गाड़ियों का काफिला था। उनके आगे भी करीब 5 गाड़ियां चल रही थीं। उनके पीछे चल रही एक गाड़ी का ज ोर दार एक्सीडेंट हो गया. उन्होंने बताया कि इस एक्सीडेंट में उनकी अपनी गाड़ी पलट गई। विधायक ने आगे बताया कि जिस गाड़ी की वजह से यह हादसा हुआ, उसने मेरी गाड़ी को ओवरटेक किया और मेरे आगे चल रही गाड़ी में टक्कर मार दी। सुशील सिंह ने बताया कि हादसे के बाद स्कॉर्पियो सवार ने खुद को स्थानीय निवासी बताया। वे किसी नशे की हालत में नहीं लग रहे थे। विधायक ने बताया कि जिस तरह से स्कॉर्पियो सवार ने चार गाड़ियों को टक्कर मारी और जबरन आगे निकलने की कोशिश की, वह काफी संदिग्ध लगता है। उन्होंने कहा कि मैं इस संबंध में पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज करा रहा हूं। सुशील सिंह बाहुबली ब्रजेश सिंह के भतीजे हैं।वह चंदौली की सैयदराजा विधानसभा सीट से बीजेपी के विधायक हैं।



कांग्रेस का बूथ रक्षक अभियान तेज, गांव–गांव नियुक्त किए जा रहे बूथ रक्षक



सलेमपुर, देवरिया। कांग्रेस पार्टी द्वारा संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से बूथ रक्षक अभियान चलाया जा रहा है।

अहिरौली लाला, तिलौली, बंजरिया सहित विभिन्न गांवों और बूथों पर कार्यकर्ताओं की बैठक कर बूथ रक्षकों की नियुक्ति की गई।

जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र पांडेय ने कहा कि बूथ रक्षक पार्टी की सबसे मजबूत कड़ी होंगे। उनका दायित्व संगठन को मजबूत करना ही नहीं, बल्कि मतदाताओं को जागरूक करना और उनके मताधिकार की रक्षा करना भी है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता का वोट सुरक्षित और सम्मानित होना आवश्यक है।

ब्लॉक प्रभारी गोविंद मिश्र ने कहा कि गांव–गांव और बूथ–बूथ पर कार्यकर्ताओं को जोड़ा जा रहा है। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत कर आगामी चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

दीनदयाल प्रसाद (प्रदेश सचिव, कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग) ने कहा कि कार्यकर्ता अपने–अपने बूथों पर सक्रिय रहकर जनता से संवाद करें और पार्टी की नीतियों व विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाएं। इस दौरान सत्यम पांडेय, मनीष कुमार रजक, सुनील सिन्हा, अवधेश पांडेय, दीपक यादव, डॉ. याहिया अंजुम, परमानंद प्रसाद, प्रवीण कुमार, प्रद्युम्न कुमार, विनोद कुमार, सुखनंदन प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

बड़कागांव के सिंगही टोला में भूमिगत नाली निर्माण की मांग तेज, राष्ट्रीय समानता दल ने चलाया हस्ताक्षर अभियान



देवरिया)। विकासखंड बरहज के ग्राम बड़कागांव स्थित सिंगही टोला में जलनिकासी की गंभीर समस्या के समाधान के लिए भूमिगत नाली निर्माण की मांग उठाई गई है। इस संबंध में राष्ट्रीय समानता दल की ओर से ग्रामीणों के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी सहमति जताई।

हस्ताक्षर अभियान का नेतृत्व राष्ट्रीय समानता दल के प्रदेश अध्यक्ष संजयदीप कुशवाहा, देवरिया जिला प्रवक्ता श्रवण कुमार पटेल तथा जिला सचिव अभय कुमार ने किया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष संजयदीप कुशवाहा ने कहा कि गांवों में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। नालियों के अभाव में घरों का गंदा पानी रास्तों पर जमा होता है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन और स्वच्छता संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से सिंगही टोला में भूमिगत नाली का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराने की मांग की।

जिला प्रवक्ता श्रवण कुमार पटेल ने कहा कि जलनिकासी की समस्या के कारण ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। रास्तों पर गंदा पानी जमा रहने से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष परेशानी होती है। प्रशासन को ग्रामीणों की इस समस्या का स्थायी समाधान करना चाहिए। जिला सचिव अभय कुमार ने कहा कि स्वच्छ वातावरण और बेहतर जलनिकासी प्रत्येक गांव की बुनियादी जरूरत है। ग्राम पंचायत एवं संबंधित अधिकारियों को इस समस्या का संज्ञान लेकर शीघ्र भूमिगत नाली निर्माण की कार्यवाही सुनिश्चित करनी चाहिए। राष्ट्रीय समानता दल ने घोषणा की कि हस्ताक्षरयुक्त मांग–पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की जाएगी। ग्रामीणों की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा।

अभियान में शैलेंद्र चौहान, तूफानी, सच्चिदानंद, राहुल यादव, दिव्यांशु सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

2027 में फिर भाजपा सरकार बनाने के लिए महिलाओं से अपील : चांदनी पांडेय



लार रोड मंडल के गांवों में किया सघन जनसंपर्क, घर–घर पहुंचकर किया संवाद

सलेमपुर, देवरिया। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भाजपा ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में बिहार भाजपा की प्रदेश महिला मंत्री एवं सलेमपुर विधानसभा की महिला प्रवासी चांदनी पांडेय ने लार रोड मंडल के विभिन्न गांवों में सघन जनसंपर्क कर महिलाओं से सीधा संवाद किया। चांदनी पांडेय ने पिपरा मिश्र, डीवाढार सहित अन्य गांवों में आरती चौहान एवं बिना त्रिपाठी के साथ घर–घर पहुंचकर महिलाओं और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और लाभान्वित परिवारों से सरकार के कार्यों पर फीडबैक भी लिया। महिलाओं से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तीकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की हैं। 2027 में पुनः भाजपा सरकार बनाने के लिए उन्होंने महिलाओं से समर्थन की अपील की।

चांदनी पांडेय ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य जन–जन तक पहुंचकर योजनाओं की जानकारी देना और लोगों से सीधा संवाद स्थापित करना है। इस दौरान उन्होंने छूटे हुए लोगों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने की भी अपील की।

जनसंपर्क के दौरान महिलाओं ने राजनीतिक व सामाजिक मुद्दों को लेकर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर आरती चौहान, बिना त्रिपाठी सहित स्थानीय कार्यकर्ता एवं ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

नदी कटान की समस्या को लेकर बांसडीह तहसील में प्रदर्शन, मचा हड़कंप

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया (बांसडीह)। बांसडीह तहसील परिसर में सोमवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब ग्राम पंचायत महाराजपुर निवासी एक युवक ने सरयू नदी के भीषण कटान और प्रशासनिक अनदेखी के विरोध में एसडीएम कार्यालय के सामने उग्र प्रदर्शन का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों की मुस्तैदी से स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाराजपुर गांव निवासी वीरेंद्र यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस समस्या पर ध्यान आकर्षित करने की चेतावनी दी थी। सोमवार को वह तहसील परिसर पहुंचा और प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्काल उसे हिरासत में ले लिया और स्थिति को संभाला। घटना के बाद तहसील परिसर में काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि महाराजपुर क्षेत्र में सरयू (घाघरा) नदी का कटान लगातार जारी है, जिससे कई घर और उपजाऊ जमीन नदी में विलीन हो चुकी है। प्रभावित परिवारों का कहना है कि बाढ़ विभाग और स्थानीय प्रशासन द्वारा कटान रोकने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि इसी समस्या को लेकर ग्रामीणों ने कुछ दिन पहले भी बांसडीह तहसील का घेराव कर प्रदर्शन किया था। ताजा घटना के बाद पुलिस युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ व आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई में जुटी है।

जमीन विवाद में मारपीट पर उतरे दो लोग हिरासत में

गोण्डा,संवाददाता। वजीरगंज में जमीन विवाद को लेकर मारपीट पर उतरे दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, बहादुरा गुप्तार सिंह पुरवा निवासी दुर्गेश तिवारी और हरिशचंद्र तिवारी जमीन विवाद में मारपीट पर उतारू थे।

राजकीय बाल गृह में लगा आधार शिविर बालकों का कराया गया पंजीकरण

पुराने आधार कार्डों में भी कराया गया आवश्यक अपडेट



देवरिया। जिला प्रोबेशन अधिकारी के मार्गदर्शन में जन सेवा केंद्र के सहयोग से राजकीय बाल गृह (बालक), देवरिया में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आवासित बालकों के आधार कार्ड बनवाने के लिए पंजीकरण कराया गया। साथ ही पूर्व से बने आधार कार्डों में आवश्यक अपडेट की प्रक्रिया भी पूरी कराई गई।

जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं अपर उप जिलाधिकारी नम्रता सिंह ने बताया कि इसका उद्देश्य बालकों को पहचान संबंधी सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि वे पात्रतानुसार सरकारी योजनाओं, शैक्षणिक सुविधाओं एवं अन्य जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

शिविर के सफल आयोजन में बाल गृह के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा। उनके माध्यम से आधार संबंधी सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराई गईं।

बाराबंकी में भीषण सड़क हादसा : पिकअप और ई-रिक्शा की भिड़ंत में तीन की मौत, पांच घायल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, बाराबंकी। देवा थाना क्षेत्र के फतेहपुर–देवा मार्ग पर सलारपुर गांव के पास रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार पिकअप और ई–रिक्शा की आमने–सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि ई–रिक्शा चालक समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी पिकअप चालक को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, सीतापुर जिले के रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के कुछ ग्रामीण रोजगार के सिलसिले में मुंबई जाने के लिए घर से निकले थे। उन्हें बाराबंकी रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़नी थी। रविवार दोपहर सभी लोग फतेहपुर कस्बे से एक ई–रिक्शा में सवार होकर बाराबंकी आ रहे थे। जैसे ही ई–रिक्शा देवा क्षेत्र के सलारपुर गांव स्थित गैस एजेंसी के पास पहुंचा, सामने से आ रही एक अनियंत्रित पिकअप ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई–रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख–पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल सीएचसी देवा और जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने सीतापुर निवासी राजकुमार (29) और रामविलास (24) को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल सोनी (35) ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में ई–रिक्शा चालक फतेहपुर निवासी मैनुद्दीन (27) के अलावा जितेंद्र (38), प्रवेश (30), रणधीर यादव (35) और रिंकू यादव (27) गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिनका उपचार चल रहा है। पुलिस अधीक्षक स्वीना त्यागी ने बताया कि दुर्घटना के बाद पिकअप चालक अंकित मौर्य को हिरासत में लेकर दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ससुराल पहुंची बहू और मां को बनाया बंधक, पुलिस के सामने मारपीट

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, इटावा। वैदपुरा क्षेत्र के रामेत गांव में सोमवार दोपहर परीक्षा के दस्तावेज लेने ससुराल पहुंची विवाहिता अनुष्का यादव और उसकी मां नीतू को ससुरालियों ने कमरे में बंधक बनाकर मारपीट की। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर दोनों को बाहर निकाला। पीड़िता का आरोप है कि छह माह से मायके में रहने के कारण विवाद चल रहा है और पुलिस के सामने भी उसकी मां के सिर पर डंडे से हमला किया गया। घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़िता ने वैदपुरा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा : खड़े ट्रैक्टर–ट्राली में तेज रफ्तार हाइवा ने मारी टक्कर, टेंट कारोबारी समेत दो की मौत

बलिया (संवाददाता)। फेफना थाना क्षेत्र अंतर्गत मुबारकपुर के समीप निर्माणाधीन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे पर रविवार देर रात करीब एक बजे हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में टेंट कारोबारी और एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसा उस समय हुआ जब सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर–ट्रॉली को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा ने जोरदार टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, दोकटी थाना क्षेत्र के बाबू के शिवपुर (लालगंज) निवासी टेंट कारोबारी राजकुमारध्रामकुमार पांडेय (45) अपने मजदूरों के साथ एक वैवाहिक समारोह से टेंट का सामान समेटकर दो ट्रैक्टर–ट्रॉलियों से घर लौट रहे थे। देर रात करीब एक बजे मुबारकपुर के पास लघुशंका के लिए उन्होंने एक्सप्रेसवे के किनारे वाहन खड़ा किया था। इसी दौरान बिहार की ओर जा रहे एक अनियंत्रित हाइवा (डंपर) ने पीछे खड़ी सामान से लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली में भीषण टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर पर सवार टेंट कारोबारी रामकुमार पांडेय और मुरली छपरा ब्लॉक निवासी मजदूर निर्मल वर्मा उर्फ मौर्य (35) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे में 25 वर्षीय अमनध्अमर चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद दो अन्य साथी ट्रैक्टर से नीचे होने के कारण बाल–बाल बच गए।

सूचना मिलते ही फेफना थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटनाकारी हाइवा को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया है। मृतक मजदूर निर्मल के चार छोटे बच्चों के सामने भरण–पोषण का संकट खड़ा हो गया है, वहीं टेंट कारोबारी के घर में भी मातम पसरा है।

निघासन में 11 महीने से अधूरी पड़ी कोलवा फार्म की सड़क, राहगीर परेशान और गन्ना सेंटर बंद

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, निघासन (लखीमपुर खीरी)। तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत धर्मापुर को कोलवा फार्म से जोड़ने वाली मुख्य सड़क का निर्माण कार्य पिछले 11 महीनों से अधूरा पड़ा है। करीब 3.43 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस लगभग तीन किलोमीटर लंबी सड़क पर ठेकेदार द्वारा केवल गिट्टी और पत्थर डालकर काम छोड़ दिया गया है।

सड़क पर बिखरे नुकीले पत्थरों के कारण दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन वाहन फिसलने से लोग चोटिल हो रहे हैं। मार्ग बेहद जर्जर होने के कारण क्षेत्र का गन्ना क्रय केंद्र (सेंटर) भी बंद पड़ा है, जिससे स्थानीय किसानों के सामने अपनी गन्ने की फसल बेचने का संकट खड़ा हो गया है।

ग्रामीणों ने कई बार विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों से अधूरे पड़े निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने तथा सड़क का डामरीकरण करने की मांग की है।

दुबई में नौकरी का झांसा देकर युवक से 1.20 लाख की ठगी, केस दर्ज

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बाराबंकी। विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से 1.20 लाख रुपये ठगने और पैसे वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर नगर कोतवाली पुलिस ने दिल्ली के एजेंसी संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नगर कोतवाली क्षेत्र के लखपेड़ाबार निवासी जुल्फिकार अली अंसारी को दिल्ली की श्बीसी इंटरनेशनलश व श्अमयवीर इंटरनेशनलश एजेंसी के संचालक अंजू शर्मा ने दुबई में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। पीड़ित ने ऑनलाइन व नकद मिलाकर 1.20 लाख रुपये दे दिए। न तो नौकरी मिली और न ही रकम वापस की गई। दिल्ली कार्यालय पहुंचने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस स्तर पर सुनवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट की शरण ली, जिसके आदेश पर अब पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



राजनीति की विरासत छोड़ सिनेमा को चुना, जानिए नेहा शर्मा का एनआईएफटी से बॉलीवुड तक का सफर

आमतौर पर माना जाता है कि किसी का परिवार ही उसके करियर की दिशा तय करता है, खासकर भारत में जहां विरासत को काफी तवज्जो दी जाती है, लेकिन अभिनेत्री नेहा शर्मा की कहानी इससे बिल्कुल अलग है। एक राजनीतिक परिवार से होने के बावजूद उन्होंने सिनेमा की दुनिया में कदम रखने की राह चुनी। उन्होंने अभिनय और फैशन की दुनिया को अपना करियर बनाया, जहां पहचान परिवार के नाम से नहीं, बल्कि अपनी मेहनत, स्टाइल और स्क्रीन पर मौजूदगी से बनती है। 21 नवंबर 1987 को भागलपुर, बिहार में व्यवसायी और राजनेता (कांग्रेस नेता व बिहार से विधायक) के घर जन्मी अभिनेत्री नेहा शर्मा मुख्य रूप से हिंदी और तेलुगु फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। ऐसा कहा जाता है कि नेहा शर्मा कथक नृत्य में प्रशिक्षित हैं और उन्हें बचपन से ही फिल्मों व अभिनय में रुचि रही थी। अभिनेत्री ने अपनी स्कूली पढ़ाई भागलपुर (बिहार) से सम्पन्न की थी, जिसके बाद उन्होंने तय किया था कि वह आगे फैशन डिजाइनर बनेंगी, जिसके लिए उन्होंने दिल्ली के एनआईएफटी से फैशन डिजाइनिंग में डिग्री हासिल की। फैशन की पढ़ाई और इंडस्ट्री के करीब होने के कारण उनकी रुचि ग्लैमर और मॉडलिंग की तरफ बढ़ी। शुरुआत में उन्होंने कई फैशन कैंपेन, प्रिंट विज्ञापनों और रनवे शोज में एक मॉडल के रूप में काम किया। इसके बाद उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में किस्मत आजमाने की इच्छा जताई और पोर्टफोलियो तैयार कर मुंबई की तरफ रुख किया। मॉडलिंग में मिली लोकप्रियता के चलते ही उन्हें 2007 में तेलुगु फिल्म चिरुथा (राम चरण के साथ) और 2010 में बॉलीवुड फिल्म क्रूकरू इट्स गुड टू बी बैड (इमरान हाशमी के साथ) में ब्रेक मिला, जिससे उन्हें दर्शकों के बीच पहचान मिली।इइसके बाद अभिनेत्री ने क्या सुपर कूल हैं हम (2012), तेरी मेरी कहानी (2012), जयंता भाई की लव स्टोरी (2013), यमला पगला दीवाना 2 (2013), और यंगिस्तान जैसी फिल्मों में काम किया और इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। साल 2020 में उन्होंने सीरीज इलीगल से ओटीटी की दुनिया में कदम रखा। ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म तान्हाजीरू द अनसंग वॉरियर (2020) में नेहा शर्मा ने कमला देवी की सहायक भूमिका निभाई थी, जो एक विधवा राजकुमारी का काल्पनिक किरदार था, जिससे उन्हें दर्शकों की तरफ से काफी सराहना मिली थी। इसी के साथ ही, दिल्ली में उन्होंने कॉल मी टेन नामक जापानी रेस्टोरेंट की सह–स्थापना की थी।

कसरत करने के बाद इन तरीकों से करें रिकवरी, जल्द मिलेगी राहत

कसरत करने के बाद शरीर को ठीक से आराम देना उतना ही जरूरी है, जितना कि व्यायाम करना। कसरत के बाद शरीर की मांसपेशियों और जोड़ों पर जोर पड़ता है, जिसके कारण उनमें दर्द और अकड़न जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनसे राहत पाने के लिए शरीर को ठीक से आराम देना जरूरी है। आइए आज हम आपको कसरत के बाद शरीर की रिकवरी के लिए 5 आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं।

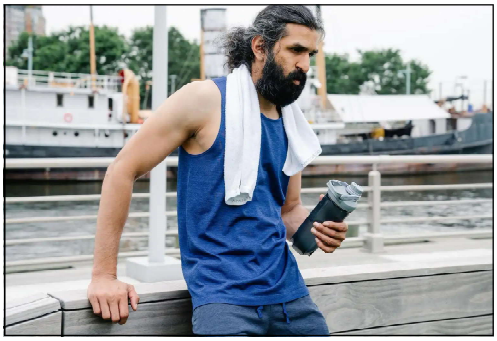

पानी की कमी न होने दें

कसरत के बाद शरीर को पानी की कमी से बचाना बहुत जरूरी है। जब आप कसरत करते हैं तो शरीर से बहुत पसीना निकलता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है।

पानी पीने से शरीर को फिर से तरल पदार्थ मिलता है और यह तेजी से ठीक होता है। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी पी सकते हैं। इससे शरीर को जरूरी खनिज लवण भी मिलते हैं, जो रिकवरी में मदद करते हैं।

प्रोटीन वाला खाना खाएं

कसरत के बाद प्रोटीन वाला खाना खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है। प्रोटीन मांसपेशियों की मरम्मत करने और उन्हें मजबूत बनाने में मदद करती है।

इसके लिए आप दाल, दूध, दही या चिकन जैसी चीजें खा सकते हैं। इसके अलावा आप प्रोटीन शेक या बार भी ले सकते हैं, जो जल्दी और आसानी से प्रोटीन प्रदान करते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां तेजी से ठीक होती हैं और आप जल्दी से तैयार हो जाते हैं।

स्ट्रेचिंग करें

कसरत के बाद स्ट्रेचिंग करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मांसपेशियों को आराम देती है और खिंचाव कम करती है। इससे रक्त संचार भी बढ़ता है, जिससे शरीर में जमा लैक्टिक एसिड बाहर निकलता है और दर्द कम होता है। इसके अलावा स्ट्रेचिंग शरीर का लचीलापन बढ़ाती है, जिससे अगली बार की कसरत आसान हो जाती है। इससे शरीर में ताजगी और आराम महसूस होता है, जिससे आपकी रिकवरी प्रक्रिया भी बेहतर होती है।

पूरी नींद लें

पूरी नींद लेना शरीर की रिकवरी के लिए बहुत जरूरी है। जब आप सोते हैं तो आपका शरीर खुद ही मरम्मत करता रहता है और थकान दूर करता है। अच्छी नींद लेने से आपकी मांसपेशियां ठीक होती हैं और अगली बार की कसरत करने की ऊर्जा मिलती है। कोशिश करें कि आप रोजाना 7–8 घंटे की नींद लें ताकि आपका शरीर पूरी तरह से आराम कर सके। इससे आप तरोताजा महसूस करेंगे और आपकी कसरत भी बेहतर होगी।

आराम करें

कभी–कभी आराम करना ही सबसे अच्छा उपाय होता है। अगर आपको बहुत ज्यादा थकान महसूस हो रही है या दर्द हो रहा है तो एक दिन पूरी तरह आराम करें। इसका मतलब यह नहीं कि आप कुछ न करें, बल्कि हल्की–फुल्की एक्सरसाइज जैसे कि चलना या योग करना बेहतर रहेगा। इससे आपका शरीर जल्दी ठीक होगा और आप अगली बार की कसरत के लिए तैयार हो जाएंगे।

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले जान लें ये बातें



वजन उठाने वाली एक्सरसाइज को अक्सर लोग जिम में शरीर बनाने और मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप इसका अभ्यास बिना किसी योजना के कर दें। दरअसल, वजन उठाने वाली एक्सरसाइज को शुरू करने से पहले कुछ बातों का खास ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके। आइए आज हम आपको वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से जुड़ी अहम बातें बताते हैं।

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। खासतौर से अगर आप पहले से कोई बीमारी या चोट से जूझ रहे हैं या आपकी उम्र 45 साल से ज्यादा है। डॉक्टर आपकी सेहत का आकलन करके आपको वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करने की इजाजत दे सकते हैं या नहीं। इसके अलावा डॉक्टर आपको सही आहार और एक्सरसाइज के बारे में भी बता सकते हैं।

प्रशिक्षक से लें मार्गदर्शन

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करते समय शरीर की मुद्रा का सही होना जरूरी है क्योंकि गलत तरीके से की गई एक्सरसाइज से चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले किसी अच्छे प्रशिक्षक से मार्गदर्शन लें।

इसके अलावा आप ऑनलाइन वीडियो देखकर भी वजन उठाने वाली एक्सरसाइज की सही तकनीक और फॉर्म को सीख सकते हैं।

धीरे–धीरे बढ़ाएं वजन

अगर आप वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से जुड़ी सभी तकनीक और फॉर्म सीख भी जाते हैं तो भी आपको शुरुआत में हल्का वजन उठाना चाहिए। यह मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा इससे आपको सही फॉर्म को बनाए रखने में मदद मिलेगी। साथ ही आपको अधिक वजन उठाने के कारण चोट लगने का खतरा भी नहीं रहेगा। इसके बाद ही आप धीरे–धीरे वजन बढ़ा सकते हैं।

वार्मअप करना है जरूरी

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से पहले वार्मअप करना बहुत जरूरी है। दरअसल, जब आप अपने शरीर को गर्म करते हैं तो इससे आपके दिल की धड़कनें बढ़ती हैं और आपकी मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं। इससे आपके शरीर में लचीलापन भी आता है और आप आसानी से वजन उठाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसके अलावा वार्मअप करने से शरीर में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे शरीर में मौजूद जमी हुई चर्बी आसानी से पिघलने लगती है।

हाइड्रेट रहें

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज के दौरान शरीर को पर्याप्त पानी देना महत्वपूर्ण है। अगर आप जिम में बहुत पसीना बहा रहे हैं तो पानी के साथ–साथ इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन भी करें।

अंकिता से शादी को विक्की जैन ने बताया जैकपॉट, कहा– वे अकेले संभाल सकती हैं बड़ा परिवार



अभिनेत्री अंकिता लोखंडे हाल ही में पति विक्की जैन के साथ नेहा धूपिया और उनके पति–अभिनेता अंगद बेदी के पॉडकास्ट डबल डेटिंग में नजर आए थे। इस दौरान विक्की जैन ने पत्नी अंकिता लोखंडे से मुलाकात को जिंदगी का जैकपॉट बताया है। विक्की जैन ने बताया कि अंकिता के अंदर सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह एक फैमिली गर्ल हैं, जो बड़े परिवार को अकेले संभाल सकती हैं और उनकी इसी खूबी ने उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने आगे कहा कि अंकिता के साथ रहने से उन्हें अपनी जिंदगी के दूसरे चौप्टर में आने का मौका मिला। विक्की ने कहा कि उनका पहला चौप्टर ज्यादातर काम के इर्द–गिर्द ही घूमता था, लेकिन अंकिता के साथ रिश्ते ने उन्हें जिंदगी का एक और पहलू दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे अंकिता के साथ अपनी जिंदगी का दूसरा चौप्टर जीने का मौका मिला। पहला चौप्टर ये था कि मैं एक बिजनेसमैन था। मैं बिलासपुर जैसे शहर में रहता था और सिर्फ काम पर फोकस करता था। जब मैं पहली बार अंकिता से मिला था, तब वे करीब 34–35 साल की थीं। उन्होंने कहा कि वह दोनों हमेशा से एक ही सोशल सर्कल का हिस्सा थे और रिश्ता बनने से पहले एक–दूसरे को दोस्त के तौर पर जानते थे। उन्होंने यह भी बताया कि बिलासपुर उनकी कर्मभूमि थी, जबकि मुंबई वह जगह थी, जहां वे दोस्तों से मिलने और अपनी सोशल लाइफ एंजॉय करने आते थे। उन्होंने कहा, बिलासपुर में मेरा काम चलता है और मुंबई में मैं दोस्तों के साथ मजे करने आता था, क्योंकि टेलीविजन इंडस्ट्री में मेरे बहुत सारे दोस्त हैं, तो अंकिता और मैं हमेशा दोस्त थे। बता दें, विक्की और अंकिता ने अपने रिश्ते को एक कदम आगे बढ़ाते हुए दिसंबर 2021 में शादी कर ली थी। शादी के बाद दोनों कई रियलिटी शो (जैसे बिग बॉस–16 और लाफ्टर शेफ्स) में साथ नजर आए और सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी केमिस्ट्री को लेकर चर्चा

गेंद के बाद बल्ले से चमके निखिल चौधरी, ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 में इंग्लैंड को 3 विकेट से हराया

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में इंग्लैंड को 3 विकेट से हराया। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड से मिले 188 रनों के लक्ष्य को 19.5 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। जेक फ्रेजर–मैकगर्क महज एक रन बनाकर लियाम डॉसन का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद कप्तान मिचेल मार्श और सैम हार्मर ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी निभाई। हार्मर महज 15 गेंदों में 32 रनों की आतिशी पारी खेलने के बाद आउट हुए। वहीं, मार्श 32 गेंदों में 37 रन बनाकर सैम करन की गेंद पर लियाम डॉसन को कैच दे बैठे। हालांकि, गेंदाबजी में दो विकेट लेने के बाद नंबर चार पर बल्लेबाजी करने उतरे



निखिल चौधरी ने एक तरफ से विकेट गिरने के बावजूद एक छोर को संभाले रखा और 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। निखिल पारी के 18वें ओवर में 38 गेंदों में 66 रनों की दमदार पारी खेलने के बाद आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 173 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 6 चौके और 2 छक्के लगाए। टिम डेविड ने 13 गेंदों में 20 रन बनाए। लैकलन शॉ (5 रन) और जोएल डेविस (1 रन) का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। ऑस्ट्रेलियाई पारी के 19वें ओवर में विल जैक्स बेन डवार्शुइस के एक जोरदार शॉट को अपनी ही गेंदबाजी में रोकने के प्रयास में बुरी तरह से चोटिल हो गए, जिसके चलते वह अपना ओवर भी पूरा नहीं कर सके और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। हेनरी क्रोकोम्बे ने 19वें ओवर को पूरा किया। आखिरी ओवर में जीत के लिए ऑस्ट्रेलिया को 11 रनों की जरूरत थी। हालांकि, जैक एडवर्ड्स ने ओवर की पहली ही बॉल पर जोरदार सिक्स लगाया। अगली चार गेंदों पर 5 रन जोड़ते हुए एडवर्ड्स ने ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। एडवर्ड्स 11 गेंदों में 1 चौके और 2 छक्कों की मदद से 25 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजी में विल जैक्स ने 2, जबकि लियाम डॉसन, जेमी ओवरटन और सैम करन ने एक–एक विकेट चटकाया। इससे पहले, इंग्लैंड ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 187 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और फिल साल्ट (0) और एन्यूरिन डोनाल्ड सस्ते में पवेलियन लौटे। हालांकि, इसके बाद इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉम बैंटन संग मिलकर मोर्चा संभाला और तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 97 रनों की आतिशी साझेदारी निभाई।

कंपनियां हर साल करीब 10 लाख करोड़ रुपए की जुटा रहीं पूंजी: सेबी चेयरमैन

मुंबई, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शुक्रवार को कहा कि शेयर बाजार कंपनियों के लिए मुख्य फंडिंग सोर्स के रूप में उभरा है और बीते एक दशक में कंपनियों ने इक्विटी और डेट सॉल्यूशंस के जरिए सालाना करीब 10 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। सीआईआई फाइनेंसिंग समिट 2026 को संबोधित करते हुए, पांडे ने कहा कि देश के पूंजी बाजारों में काफी विस्तार हुआ है। इसके पीछे मजबूत आर्थिक विकास, निवेशकों की बढ़ती भागीदारी और लगातार किए गए नियामक सुधारों का बड़ा हाथ है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत के इक्विटी बाजार का पूंजीकरण 5 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया है।

वेलिंगटन टेस्ट में भारत की पकड़ मजबूत, 233 रन से पिछड़ रही न्यूजीलैंड पर बड़ी हार का खतरा

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे टेस्ट मैच का चौथा दिन समाप्त हो गया है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में शुरुआती 2 झटके देकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय 2 विकेट के नुकसान पर 119 रन बना लिए थे। दूसरी पारी में भी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत करने आए कप्तान और सलामी बल्लेबाज टॉम लैथम शून्य के स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद डेवन कोनवे ने पहली पारी के शतकवीर हेनरी निकोलस के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। निकोलस पहली पारी की तरह दूसरी पारी को लंबी नहीं कर सके और 31 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए रचिन रवींद्र



आए। रवींद्र और कोनवे ने दिन के शेष ओवर सुरक्षित निकाल लिए। दोनों 59 रन की साझेदारी कर चुके हैं। कोनवे 137 गेंदों पर 59 और रवींद्र 72 गेंदों पर 27 रन बनाकर खेल रहे हैं। न्यूजीलैंड भारत की पहली पारी के स्कोर से अभी भी 233 रन पीछे है। टेस्ट का पांचवां और आखिरी दिन रोमांचक होगा। भारतीय टीम जहां जल्दी 8 विकेट लेने के इरादे से उतरेगी, वहीं कीवी टीम की सोच मैच को ड्रॉ कराने की होगी। इससे पहले, भारत ने अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की थी। भारत की तरफ से इस पारी में 2 शतक और 4 अर्धशतक लगे।

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया, वेस्टइंडीज का 31 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

वेलिंगटन, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के चौथे दिन अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। न्यूजीलैंड के खिलाफ किसी भी टीम द्वारा एक पारी में बनाया गया यह सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाकर वेस्टइंडीज के 31 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा है। वेस्टइंडीज ने 1995 में वेलिंगटन में ही 5 विकेट पर 660 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की थी। न्यूजीलैंड में बना यह सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने 2019 में हैमिल्टन में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पारी 6 विकेट पर 715 रन बनाकर घोषित की थी। भारतीय टीम का यह टेस्ट क्रिकेट में तीसरा सबसे बड़ा और न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया गया तीसरा सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। भारत ने अपना



सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। उस मैच में टीम इंडिया ने अपनी पारी 7 विकेट पर 759 रन बनाकर घोषित की थी। भारत का दूसरा सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 2009 में श्रीलंका के खिलाफ ब्रेबोर्न स्टेडियम में आया इस मैच में बना है। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में बना 707 रन का स्कोर भारत का चौथा सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में भारत ने 7 विकेट पर 705 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की थी। टीम इंडिया ने अपनी पारी 9 विकेट पर 726 रन बनाकर घोषित की थी। तीसरा सबसे बड़ा स्कोर

भारत में विस्तार के लिए एयरबीएनबी की नई रणनीति

नयी दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक आतिथ्य मंच एयरबीएनबी देश के बढ़ते घरेलू यात्रा बाजार का लाभ उठाने के लिए पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे बढ़कर भारत में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने की योजना बना रही है। इसके तहत कंपनी होमस्टे खंड को मजबूत करने और अधिक स्थानीय उद्यमियों को अपने मंच से जोड़ने पर ध्यान दे रही है। एयरबीएनबी इंडिया के कंट्री मैनेजर अमनप्रीत बजाज ने एक साक्षात्कार में कहा कि कंपनी की भारत में वृद्धि रणनीति गुणवत्तापूर्ण आवास बढ़ाने, अधिक समुदायों को पर्यटन में भागीदार बनाने और ठहरने की सुविधा से आगे बढ़कर अनुभवों तथा सेवाओं के जरिये अपनी पेशकश में विविधता लाने पर केंद्रित होगी। आध्यात्मिक गतियारों और प्रकृति से जुड़े स्थानों जैसे उभरते गंतव्यों में भी गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति का विस्तार जारी रखेंगे।

एफ1 में फिर गूंजेगी वी8 इंजनों की आवाज, एफआईए और निर्माताओं के बीच सहमति

पेरिस, एजेंसी। एफआईए ने पुष्टि की है कि फॉर्मूला 1 से जुड़े सभी प्रमुख पक्षों, जैसे टीमों, इंजन निर्माताओं और खेल की संचालन संस्था के बीच भविष्य के इंजन नियमों को लेकर सहमति बन गई है। इसके तहत 2030 से फॉर्मूला 1 में वी8 इंजन की वापसी होगी। साल 2013 के बाद पहली बार वी8 इंजन फिर से इस्तेमाल किए जाएंगे। प्रस्तावित नए इंजन 2.1–लीटर टर्बोचार्ज्ड वी8 होंगे, जो पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ ईंधन (सस्टेनेबल फ्यूल) पर चलेंगे। इसके साथ ही इन इंजनों को मौजूदा व्यवस्था की तुलना में कम खर्चीला बनाने की भी योजना है। एफआईए ने कहा, एफआईए ने 2030 से लागू होने वाले एफ1 पावर यूनिट नियम पेश किए हैं, जिसमें 2.1 लीटर टर्बोचार्ज्ड वी8 इंजन को मुख्य पावर यूनिट के रूप में चुना गया है। इसमें इंजन की कुछ



पुरानी ज्यामितीय विशेषताओं को भी बरकरार रखा गया है। इसका उद्देश्य रेसिंग को अधिक रोमांचक और आक्रामक बनाना है, ताकि दुनिया भर के फैंस इसका लुत्फ ले सकें। एफआईए ने पुष्टि की है कि इस योजना के तहत वी8 पावर यूनिट को एक ऐसे चेसिस के साथ जोड़ा जाएगा जो हल्का और अधिक फुर्तीला होगा। इसमें ड्राइवर के कौशल और करीबी रेसिंग पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। साथ ही, इससे इंजन की वह खास आवाज भी वापस आएगी। अगला कदम अगले महीने शंघाई में होने वाली एफआईए वर्ल्ड मोटर स्पोर्ट काउंसिल की बैठक में 2030 के लिए एक निश्चित नियामक ढांचा पेश करना है। सभी नियामक बदलावों को अभी मंजूरी मिलना बाकी है। इस फैसले पर बात करते हुए, एफआईए के अध्यक्ष मोहम्मद बेन सुलायेम ने कहा कि यह समझौता भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, यह समझौता फॉर्मूला 1 के भविष्य को आकार देने में एक बड़ा मील का पत्थर है। शुरुआत से ही मेरा लक्ष्य एक ऐसा खेल पेश करना रहा है जो हमारे फैंस के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और रोमांचक हो, और साथ ही नई खोज और स्थिरता में सबसे आगे रहे। एफआईए के अनुसार, बेन सुलायेम ने कहा, वी8 इंजन की वापसी इस चौंपियनशिप के मूल स्वरूप (डीएनए) से फिर से जुड़ने का एक मौका है।

भारत की 7.7 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को मिला बढ़ावा : सियाम अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। सियाम यानी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के अध्यक्ष शेनू अग्रवाल ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 2025–26 में भारत की 7.7 प्रतिशत वास्तविक जीडीपी वृद्धि ने देश को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बनाए रखा है और इससे टिकाऊ परिवहन तथा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर संवाद के लिए विकास और तैयारी (जीआरआईडी) 2026 को संबोधित करते हुए अग्रवाल ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को केवल ईवी के सहायक तंत्र के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में मजबूत आर्थिक वृद्धि, तेज शहरीकरण और बढ़ती आय, स्वच्छ एवं अधिक सुलभ परिवहन समाधानों की मांग को तेजी से बढ़ा रही है। ऐसे में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के व्यापक प्रसार के लिए चार्जिंग ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। अग्रवाल ने कहा, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का सहायक तत्व नहीं, बल्कि राष्ट्रीय महत्व का मूलभूत इंफ्रास्ट्रक्चर है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सड़कें, बंदरगाह और बिजली व्यवस्था आर्थिक विकास की आधारशिला होती हैं, उसी प्रकार चार्जिंग नेटवर्क को भी विकास और कनेक्टिविटी के महत्वपूर्ण सक्षमकर्ता के रूप में देखा जाना चाहिए। सियाम अध्यक्ष ने आगे कहा कि परिवहन नागरिकों, कारोबारों और समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

15 बड़े वित्तीय सुधार सीआईआई ने 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए सुझाए

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने आगामी केंद्रीय बजट 2027–28 से पहले बैंकिंग, गैर–बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र, पूंजी बाजार, बीमा और फिनटेक से जुड़े 15 प्रमुख सुधारों की सिफारिश की है। उद्योग संगठन का कहना है कि भारत को 2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए वित्तीय क्षेत्र की क्षमता और गहराई में व्यापक विस्तार करना होगा। सीआईआई के अनुसार, 2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए लगभग 106 ट्रिलियन डॉलर के वित्तीय परिसंपत्ति आधार की आवश्यकता होगी, जबकि वर्तमान में यह आकार लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर है। संगठन का कहना है कि भारत के बैंकिंग तंत्र, पूंजी बाजार और बीमा क्षेत्र को आने वाले दो दशकों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना होगा। सीआईआई के



महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि भारतीय वित्तीय क्षेत्र फिलहाल मजबूत स्थिति में है। बैंकों और एनबीएफसी की बैलेंस शीट बेहतर हुई हैं तथा सरकार और नियामकों द्वारा हाल के वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अब चुनौती ऐसे वित्तीय तंत्र के निर्माण की है जो वर्तमान आकार से कई गुना बड़ी अर्थव्यवस्था को वित्तपोषित कर सके। उद्योग संगठन ने एनबीएफसी के लिए नियम–आधारित स्थायी तरलता सुविधा, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) ढांचे में बदलाव, कम क्रेडिट रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड्स के लिए निवेश आधार बढ़ाने, ऋण वसूली के मामलों में बैंकों के समान अधिकार और राष्ट्रीय आपदा एवं जलवायु जोखिम बीमा पूल बनाने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सीआईआई ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए प्राथमिकता क्षेत्र ऋण सीमा को 35 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 80–100 करोड़ रुपए प्रति उधारकर्ता करने का सुझाव दिया है, ताकि मध्यम आकार की परियोजनाएं भी इसका लाभ उठा सकें। इसके अलावा बैटरी पुनरु उपयोग और रीसाइक्लिंग जैसी सर्कुलर इकॉनमी गतिविधियों को भी इस ढांचे में शामिल करने की सिफारिश की गई है। निर्यात क्षेत्र के लिए संगठन ने मौजूदा 2 प्रतिशत अतिरिक्त निर्यात ऋण सीमा के बजाय एक समर्पित निर्यात उप–लक्ष्य बनाने की मांग की है। इसके साथ फैक्टरिंग, एक्सपोर्ट रिसीवेबल्स और सप्लाई चेन फाइनेंस को भी पात्रता दायरे में लाने का सुझाव दिया गया है। सीआईआई का अनुमान है कि देश में एमएसएमई क्षेत्र का क्रेडिट गैप 25–30 लाख करोड़ रुपए के बीच है। इसे कम करने के लिए संगठन ने सरकारी गारंटी वाले एमएसएमई ऋणों में आग, बाढ़, मशीनरी खराब होने और कारोबार बाधित होने से जुड़ी बीमा सुरक्षा को अनिवार्य बनाने की सिफारिश की है। इसके अलावा, वीडियो आधारित ग्राहक पहचान (वीडियो केवाईसी) के लिए एक नियामकीय ढांचा तैयार करने का सुझाव दिया गया है, जिसमें प्रमाणित डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से पहचान सत्यापन किया जा सके।

भारत का तेल और गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत का तेल एवं गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़कर 16 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वाले पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सालाना आधार पर लगभग दोगुनी होकर 124.77 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने के चलते आयात बिल बढ़ा। अक्टूबर 2025 में शुद्ध आयात बिल 10 अरब डॉलर था। हालांकि, मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात केवल 11 प्रतिशत बढ़कर 2.33 करोड़ टन रहा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात पर 1.3 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात से 6.3 अरब डॉलर की कमाई हुई।

भारत–इटली का द्विपक्षीय व्यापार 2035 तक 50 अरब यूरो तक पहुंचने का अनुमान : एसोचैम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत–इटली का द्विपक्षीय व्यापार 2035 तक करीब 50 अरब यूरो पहुंचने की उम्मीद है। इसे भारत–यूरोपीय यूनियन (ईयू) फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए), ज्यादा बाजार पहुंच और मजबूत उद्योग समझौते एवं व्यापार साझेदारियों में विस्तार का फायदा मिलेगा। यह जानकारी उद्योग निकाय एसोचैम की ओर से जारी रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि भारतीय व्यवसाय, उन्नत विनिर्माण और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में इटली के अनुभव से लाभ उठा सकते हैं, जबकि इतालवी कंपनियां भारत के विनिर्माण आधार, कुशल प्रतिभा और बढ़ते व्यावसायिक अवसरों को तलाश सकती हैं। इससे दोनों देशों के व्यवसायों के बीच अधिक निवेश, टेक्नोलॉजी के आदान–प्रदान और सहयोग की



संभावनाएं पैदा होती हैं। रोम में आयोजित इंडिया–इटली बिजनेस फोरम के दौरान जारी की गई इस रिपोर्ट को एसोचैम के महासचिव सौरभ सान्याल द्वारा इटली के उप–प्रधानमंत्री एवं विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो तजानी को सौंपी गई। सान्याल ने कहा कि भारत और इटली के पास उन्नत औद्योगिक तकनीकों जैसी खूबियों के साथ जोड़ा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत व्यावसायिक संबंध, तकनीक का आदान–प्रदान और निवेश साझेदारी दोनों देशों की कंपनियों को नए बाजारों तक पहुंचने और वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ये खूबियां मिलकर व्यापार, निवेश और एकीकृत मूल्य श्रृंखलाओं (वैल्यू चेन) के विस्तार के लिए एक मजबूत आधार तैयार करती हैं। इस रिपोर्ट में दोनों देशों के बीच विकसित हो रहे आर्थिक संबंधों का विश्लेषण किया गया है और व्यापार, निवेश, मैन्युफैक्चरिंग, तकनीक तथा कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में नए अवसरों की पहचान की गई है। अपनी आर्थिक साझेदारी को गहरा करने की काफी संभावनाएं हैं। इसके लिए भारत के मैन्युफैक्चरिंग पैमाने, कुशल कार्यबल और बढ़ते बाजार को इटली की उप–प्रधानमंत्री एवं विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो तजानी को सौंपी गई। सान्याल ने कहा कि भारत और इटली के पास उन्नत औद्योगिक तकनीकों जैसी खूबियों के साथ जोड़ा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत व्यावसायिक संबंध, तकनीक का आदान–प्रदान और निवेश साझेदारी दोनों देशों की कंपनियों को नए बाजारों तक पहुंचने और वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ये खूबियां मिलकर व्यापार, निवेश और एकीकृत मूल्य श्रृंखलाओं (वैल्यू चेन) के विस्तार के लिए एक मजबूत आधार तैयार करती हैं। इस रिपोर्ट में दोनों देशों के बीच विकसित हो रहे आर्थिक संबंधों का विश्लेषण किया गया है और व्यापार, निवेश, मैन्युफैक्चरिंग, तकनीक तथा कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में नए अवसरों की पहचान की गई है।

पाकिस्तान ने स्कॉटलैंड को 9 विकेट से हराया

अजमान, एजेंसी। आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के तहत स्कॉटलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में पाकिस्तान महिला टीम ने 17 गेंद पहले 9 विकेट से जीत हासिल कर ली। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की टीम 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 124 रन बना सकी। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरीं कप्तान कैथरीन ब्राइस ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। 36 गेंदों की इस पारी में ब्राइस ने 7 चौके और 1 छक्का लगाया। इसके अलावा, कैथरीन फ्रेजर ने 21, डॉर्सी कार्टर ने 18 और सारा ब्राइस ने 17 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से उम्म–ए–हानि ने 2, मोमिना रियासत, नशरा संधू और ओमाइमा सोहैल ने 1–1 विकेट लिया।

भारतीय कंपनियां कारोबार वृद्धि के लिए तेजी से एआई और डिजिटल मॉडल में कर रहीं निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल मॉडल में तेजी से निवेश कर रही हैं। बढ़ती लागत और वैश्विक व्यापार में जारी अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियां व्यापार वृद्धि को गति देने और अपनी मजबूती बढ़ाने के लिए अपने कामकाज के तौर–तरीकों में बदलाव कर रही हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। एचएसबीसी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 81 प्रतिशत कंपनियों को उम्मीद है कि टेक्नोलॉजी में निवेश से उनके उत्पादों और सेवाओं की मांग बढ़ेगी। वहीं, वैश्विक स्तर पर ऐसा मानने वाली कंपनियों का आंकड़ा 70 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया कि टेक्नोलॉजी से जुड़े खर्च को लागत का एक प्रमुख कारक माना गया है। सर्वेक्षण में शामिल 52 प्रतिशत कंपनियों ने टेक्नोलॉजी और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश का जिक्र किया, जबकि 46 प्रतिशत कंपनियों ने एआई से जुड़े निवेश को प्रमुख लागत कारक बताया। ये दोनों आंकड़े वैश्विक औसत क्रमशरु 36 प्रतिशत से अधिक हैं। भारत की 93 प्रतिशत कंपनियां व्यापार से जुड़े कम से कम एक कामकाज में एआई का इस्तेमाल कर रही हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 85 प्रतिशत है।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई: UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादक: विजय दुबे
कार्यकारी संपादक: दीप्ती दुबे
संपादकीय सलाहकार: राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी



देश-विदेश

हरियाणा की नौकरशाही में खाली होने जा रहे तीन वरिष्ठ आई ए एस के पद

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा की नौकरशाही में अगले 2 से 3 महीने के दौरान कई अहम बदलाव संभावित हैं। प्रशासन में 3 महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त वरिष्ठ आई ए एस अधिकारी रिटायर होने वाले हैं। इनमें इसी महीने गृह विभाग संभाल रहे अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल शामिल हैं। वहीं मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और वित्त आयुक्त राजस्व डॉ. सुमिता मिश्रा भी अगले 2 महीने में सेवानिवृत्त होने वाली हैं।

वहीं 1990 बैच के आई ए एस अधिकारी सुधीर राजपाल इसी महीने रिटायर होंगे। उनके पास गृह, जेल, आपराधिक जांच और न्याय प्रशासन के अलावा पर्यावरण तथा वित्त एवं योजना जैसे अहम विभागों की जिम्मेदारी भी है। ऐसा माना जा रहा है कि हरियाणा सरकार ने उनके सेवा विस्तार के लिए केंद्र को पत्र भेजा है। हालांकि, इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के तत्कालीन प्रिंसिपल सेक्रेटरी रहे अरुण गुप्ता को भी रिटायरमेंट के बाद एक्सटेंशन नहीं मिली थी। वे सेवानिवृत्त हो गए थे। इसी महीने उन्हें हरियाणा विद्युत नियामक आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

सुधीर राजपाल मुख्य सचिव पद के दावेदारों में भी शामिल रहे हैं, लेकिन उन्हें यह जिम्मेदारी नहीं मिली। सेवानिवृत्ति से पहले सरकार ने हाल ही में उन्हें 30 नवंबर 2026 तक कुछ प्रशासनिक पाबंदियों से छूट दी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और वित्त आयुक्त राजस्व डॉ. सुमिता मिश्रा भी अगले 2 महीने में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अनुराग रस्तोगी हरियाणा में लगातार 2 बार सेवा विस्तार पाने वाले पहले मुख्य सचिव हैं। इसके चलते मुख्य सचिव पद के दावेदार रहे सुधीर राजपाल और डॉ. सुमिता मिश्रा इस पद तक नहीं पहुंच पाए। अब प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि क्या रिटायरमेंट से पहले डॉ. सुमिता मिश्रा को कुछ समय के लिए ही सही, मुख्य सचिव बनने का मौका मिल पाएगा। हरियाणा सरकार केंद्र को पत्र लिखकर डेपुटेशन पर गए 4 आई ए एस अधिकारियों को वापस बुलाने की मांग कर चुकी है। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रधान सचिव रहे वी. उमाशंकर (1993 बैच), उनके अतिरिक्त प्रधान सचिव रहे डॉ. राकेश गुप्ता (1997 बैच), शहरी निकाय विभाग के पूर्व प्रधान सचिव विकास गुप्ता (2001 बैच) और चंडीगढ़ के पूर्व गृह सचिव नितिन यादव (2000 बैच) शामिल हैं।

रियाद पर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल

रियाद, एजेंसी। यमन के हूती लड़ाकू समूह ने शनिवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर एक बार फिर हवाई हमला किया। उन्होंने इसे सऊदी गठबंधन द्वारा चलाए गए विशेष अभियान का जवाब करार दिया। सऊदी ने इससे पहले स्थानीय लोगों को अलर्ट रहने की सलाह दी थी। कहा गया था कि शहर पर ष्हवाई हमले का खतराष् है। कुछ ही समय बाद दो धमाके सुनाई दिए। बाद में वह अलर्ट वापस ले लिया गया। गठबंधन ने बाद में बताया कि उसने राजधानी की ओर दागी गई तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। दूसरी ओर, हूती ने कहा है कि वह रियाद सहित पूरे सऊदी अरब में कई ठिकानों पर हमले कर रहा है। शुक्रवार को लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेइदा और अन्य जगहों पर गठबंधन द्वारा किए गए हमलों के बाद, हूती ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी थी। गठबंधन के अनुसार, इस "विशेष अभियान" में होदेइदा में तस्करी और हथियारों की ढुलाई से जुड़ी गतिविधियों को निशाना बनाया गया। इसमें सना, सादा और ताइज प्रांतों पर भी हमले किए गए, जो महीनों से चल रहे संघर्ष के बीच हिंसा में आई तेजी को दर्शाते हैं। हूती ने चेतावनी दी थी कि अगर होदेइदा पर हमला हुआ, तो वह सऊदी शहर जेद्दा और लाल सागर के अन्य बंदरगाहों को निशाना बनाएगा। साथ ही, उसने एयरलाइंस को चेतावनी दी कि सऊदी का हवाई क्षेत्र "असुरक्षित" है। इस समूह ने रियाद के वित्तीय जिले और अल-शुकाइक स्थित एक पावर स्टेशन को भी निशाना बनाने की धमकी दी। वहीं, हूती का दावा है कि पिछले 24 घंटों में गठबंधन के हमलों में 41 लोग मारे गए हैं।



कार्तिक पूर्णिमा पर आस्था का सैलाब, सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

स्नान और दर्शन-पूजन के लिए बरहज, भागलपुर और बनारस जाने वाले श्रद्धालुओं से गुलजार रहा रेलवे स्टेशन





सलेमपुर (देवरिया)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर सोमवार को धर्म और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। पवित्र नदियों में स्नान और धार्मिक स्थलों पर दर्शन–पूजन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। इसी क्रम में सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर भी श्रद्धालुओं की भारी चहल–पहल देखने को मिली। बड़ी संख्या में लोग बरहज, भागलपुर, बनारस सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जाने के लिए ट्रेनों का इंतजार करते दिखाई दिए। कार्तिक पूर्णिमा के धार्मिक महत्व को देखते हुए सुबह से ही स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे अपने परिजनों के साथ पवित्र स्नान के लिए रवाना होने को उत्सुक नजर आए। हाथों में पूजा–पाठ का सामान और मन में श्रद्धा लिए लोग अपनी निर्धारित ट्रेन के इंतजार में प्लेटफॉर्म पर बैठे दिखाई दिए। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान और दान–पुण्य करने से विशेष धार्मिक फल की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न स्नान घाटों और धार्मिक स्थलों की ओर रुख करते हैं।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर भी पर्व की विशेष रौनक देखने को मिली। श्रद्धालुओं की भीड़ ने एक बार फिर क्षेत्र में पर्व के प्रति लोगों की गहरी आस्था और धार्मिक परंपराओं की झलक प्रस्तुत की।

राष्ट्रपति ली ने दक्षिण कोरिया के शिक्षा मंत्री का इस्तीफा किया मंजूर

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के शिक्षा मंत्री चोई क्यो–जिन का इस्तीफा राष्ट्रपति ली जे–म्युंग ने स्वीकार कर लिया है। रविवार सुबह ही चोई ने पद छोड़ने की इच्छा जताई थी। 19 नवंबर को हुई राष्ट्रीय कॉलेज प्रवेश परीक्षा, कॉलेज स्कोलास्टिक एबिलिटी टेस्ट (सीएसएटी) 2027 से ठीक पहले, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए होने वाली नकल को रोकने के लिए नियमों में अचानक फेरबदल किया गया था,

मेरे बच्चे को होश आया तो उसने फोन करके जानकारी दी

कोटा, एजेंसी। राजस्थान के कोटा जिले में हुए एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। शनिवार देर रात खाटूश्याम जी के दर्शन कर लौट रहे एक परिवार की क्रूजर गाड़ी शंभूपुरा गांव के पास कोटा–उदयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े ट्रक से टकरा गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। जांच अधिकारी शिवराज सिंह ने बताया, यह हादसा हाईवे पर हुआ है, वे एक क्रूजर में सफर कर रहे थे। एक ही परिवार के ड्राइवर समेत 16 लोग थे।

हरियाणा के अतिथि अध्यापक 24को मनाएंगे तानाशाही विरोधी दिवस

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़, 23 नवंबर। हरियाणा में 12हजार से अधिक अतिथि अध्यापकों ने नियमितीकरण की अपनी मांग के प्रति राज्य सरकार की बेरुखी के विरोध में 24 नवंबर को तानाशाही दिवस मनाने का फैसला किया है।

सरकार और अतिथि अध्यापकों के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। इस दौरान प्रदेश के सभी 90 विधायकों को ज्ञापन सौंपकर सरकार से कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर नियमितीकरण की घोषणा करने की मांग की जाएगी।अतिथि अध्यापकों का आरोप है कि भाजपा ने चुनाव के दौरान अपने घोषणा–पत्र में उन्हें नियमित करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद सरकार इस वादे को पूरा करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। उनका कहना है कि वे पिछले 21 साल से सरकारी स्कूलों में पूरी जिम्मेदारी के साथ बच्चों को पढ़ा रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारियों का दर्जा नहीं मिल रहा ।

अतिथि अध्यापकों का कहना है कि हाईकोर्ट ने उनके मामले में दो महीने के भीतर कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। इससे अध्यापकों को उम्मीद जगी थी कि अब सरकार उनके नियमितीकरण को लेकर फैसला लेगी। लेकिन शिक्षा विभाग की ओर से जारी स्पीकिंग ऑर्डर से उनकी उम्मीदों को झटका लगा है। शिक्षकों का आरोप है कि सरकार और विभाग उनकी मांग को पूरा करने के बजाय मामले को लटकाने का काम कर रहे हैं।

अतिथि अध्यापकों की मांग है कि सरकार अब और देरी किए बिना कैबिनेट की बैठक में नियमितीकरण का प्रस्ताव लाए और उन्हें पक्का करने की घोषणा करे। उनका कहना है कि इतने लंबे समय तक सेवाएं देने के बाद भी नौकरी की अनिश्चितता में रहना उनके साथ अन्याय है।अब 24 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम के तहत अतिथि अध्यापक प्रदेश के सभी 90 विधायकों को ज्ञापन सौंपेंगे। इसके जरिए वे सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के विधायकों से अपने मुद्दे को विधानसभा और सरकार के सामने उठाने की अपील करेंगे। अध्यापकों का कहना है कि उनका उद्देश्य अपनी मांग को हर जनप्रतिनिधि तक पहुंचाना है, ताकि सरकार पर नियमितीकरण को लेकर फैसला लेने का दबाव बनाया जा सके।अतिथि अध्यापकों ने साफ किया है कि जब तक सरकार उनके नियमितीकरण को लेकर ठोस फैसला नहीं लेती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

